हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 14 सितंबर 2025

3 करोड़ जनता के 'आरोग्य' से होगा छत्तीसगढ़ विकसित

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

- तीन दिवसीय आयोजन में आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर होंगे व्याख्यान

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 'डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025' का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) छत्तीसगढ़ के प्रेसिडेंट डॉ. अरविंद कुमार, पूर्व प्रेसिडेंट डॉ. राजीव सिंह, कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन डॉ. वैभव तिवारी सहित देशभर से आए सैकड़ों दंत चिकित्सक उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस आयोजन के दौरान स्माइल डिजाइनिंग, लेजर डेंटिस्ट्री और अन्य आधुनिक दंत चिकित्सा तकनीकों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए जाएंगे, जो प्रतिभागियों को नवीनतम जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दंत चिकित्सा उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आईडीए की वार्षिक स्मारिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि मानव की मुस्कान सबसे कीमती है और उसे सुरक्षित रखने व सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दांतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में आपका योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन दंत चिकित्सा के क्षेत्र में नए विचारों और तकनीकी दृष्टिकोणों को साझा करने का एक उत्कृष्ट मंच है।

थाने से चंद कदम दूर महिला से लूटा पर्स : रायपुर। गुढ़ियारी थाने से चंद कदम की दूरी पर स्कूटर सवार दो बदमाशों द्वारा महिला का पर्स लूटकर फरार होने की घटना सामने आई है। घटना का सीसीसीटीवी फूटेज सामने आया है। पुलिस ने अब तक लूट की रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। बताया जा रहा है, एक अधेड़ उम्र की महिला बुधवार शाम पौने सात बजे पैदल जा रही थी। इस दौरान स्कूटर सवार दो बदमाश पीछे से आए और महिला को धक्का देकर उसके हाथ से पर्स लूटकर मौके से फरार हो गए।

भारतीय स्काउट्स एंड गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य परिषद की बैठक

बिलासपुर। भारतीय स्काउट्स एंड गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य परिषद की बैठक आज रायपुर सांसद एवं संस्था के अध्यक्ष श्री बृजमोहन अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जंबूरी की तैयारी, सदस्यता विस्तार तथा समाजोपयोगी अभियानों पर विस्तृत चर्चा कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि युवाओं के मानसिक, शारीरिक विकास के साथ देश सेवा में कार्य कर रहे स्काउटिंग को लोग और अच्छे से जाने इस हेतु नव भारत निर्माण थीम पर मै 33 जिलों में दौरा करूंगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि भारतीय स्काउट्स एंड गाइड्स एक गौरवशाली संस्था है, जिससे जुड़ना स्वयं में गर्व की अनुभूति है। यह संगठन केवल अनुशासन और सेवा भाव ही नहीं सिखाता, बल्कि समाज निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त डा सोमनाथ यादव ने बताया कि आगामी दिनों में राज्य पुरस्कार जांच शिविर संभाग स्तर पर आयोजित किया जाएगा,वही उन्होंने बताया कि नवंबर माह में लखनऊ में आयोजित जंबूरी मे राज्य से 3 सौ से अधिक स्काउट्स गाइड्स हिस्सा लेंगे, इसी तरह प्राकृतिक आपदा में स्काउट्स गाइड्स की भूमिका को लेकर प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा। डॉ सोमनाथ यादव ने बताया कि बच्चों को साहसिक कार्यों में भी हिस्सेदारी हो इस हेतु लगातार एडवेंचर कैंप आयोजित किए जा रहे है। बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय में आगामी 23 से 29 नवम्बर तक लखनऊ में होने वाली राष्ट्रीय जंबूरी में राज्य के 313 रोवर्स-रेंजर्स भाग लेंगे। इस हेतु प्री-जंबूरी की तैयारी के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से जुड़ाः तोखन

बीजापुर। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कभी नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र आज विकास की मुख्यधारा में जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक सरकार ने सुरक्षा, समावेशी विकास और पुनर्वास को केंद्र में रखकर जो पहल की है, उसके परिणामस्वरूप नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। श्री साहू ने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों और गृहमंत्री अमित शाह के सख़्त और निर्णायक कदमों का ही परिणाम है कि बस्तर सहित पूरा देश तेजी से नक्सलवाद से मुक्त हो रहा है। श्री मोदी का विज़न 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ज़मीन पर दिख रहा है और शाह जी की रणनीति ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का मार्ग प्रशस्त किया है।"

पत्र सूचना कार्यालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित वार्तालाप कार्यक्रम में श्री साहू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक पूर्णतः नक्सल-मुक्त भारत बनाना है। उन्होंने कहा, "संदेश साफ है कि हिंसा का कोई भविष्य नहीं है, भविष्य केवल विकास का है। कभी 'रेड कॉरिडोर' कहे जाने वाले इलाके अब 'डेवलपमेंट कॉरिडोर' बन रहे हैं। सड़कें, बिजली, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी भय और पिछड़ेपन की जगह ले रही हैं।" श्री साहू ने बताया कि पुनर्वास एवं आत्मसमर्पण नीति 2025 के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को प्रोत्साहन राशि, मासिक भत्ता, भोजन-आवास सुविधा, हथियार जमा करने पर नकद सहायता, तथा शिक्षा और रोजगार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सामूहिक आत्मसमर्पण करने पर दुगुने लाभ दिए जा रहे हैं।

खबर संक्षेप

दोपहिया चोरी के आरोप में शातिर गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी पुलिस ने एक्टिवा चोरी करने के आरोप में एक शातिर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वाहन जब्त किया है। भीखम की शिकायत पर पुलिस ने आकाश चंद्राकर उर्फ बिल्लू को एक्टिवा चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। भीखम ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 1 सितंबर को वह किसी काम से साइंस सेंटर गया था। उसने अपनी एक्टिवा साइंस सेंटर के पास लॉक कर पार्क की थी। आकाश, भीखम की एक्टिवा का लॉक तोड़ चोरी कर ले गया था। पुलिस ने आकाश को सीसीटीवी फूटेज के आधार पर गिरफ्तार किया है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हिंदी हैं हम....

आक्सफोर्ड डिक्शनरी में सैकड़ों शब्द, 'चायवाला' और आत्मनिर्भरता' जैसे शब्दों ने जगह बनाई

2020 तक लगभग 384 भारतीय/हिंदी शब्द इसमें शामिल हो चुके हैं

वैश्विक हो रही है हमारी हिंदी

नमस्ते, चाचा, छी-छी, भिंडी, दीदी, बापू, गुरु जैसे शब्द दुनियाभर में प्रचलित

हिंदी भाषा की समृद्धि अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त कर रही है। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (ओईडी), जो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंग्रेजी शब्दकोशों में से एक है, ने सैकड़ों हिंदी या हिंदी-उर्दू मूल के शब्दों को अपनाया है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

ये शब्द न केवल भारतीय संस्कृति, भोजन, जीवनशैली और दर्शन को प्रतिबिंबित करते हैं, बल्कि वैश्विक भाषा के विकास में हिंदी के योगदान को भी उजागर करते हैं। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी ओईडी के अनुसार, 2020 तक लगभग 384 भारतीय/हिंदी शब्द इसमें शामिल हो चुके हैं, और हर साल नए शब्द जोड़े जा रहे हैं। हाल के अपडेट्स में भिंडी, नमस्ते, छी-छी, बापू, गुरु और आत्मनिर्भरता' जैसे शब्दों ने जगह बनाई है, जो भारतीय नवाचार और आत्मनिर्भरता को दर्शाते हैं।

खास बात है कि ये शब्द मुख्य रूप से हिंदी, उर्दू, संस्कृत या अन्य भारतीय भाषाओं से उधार लिए गए हैं, लेकिन इनका मूल हिंदी-उर्दू रजिस्टर में है। उदाहरण के लिए, 'योग' और 'कर्मा' जैसे शब्द दर्शन से जुड़े हैं, जबकि 'चटनी', 'गुलाब जामुन' और 'चाय' भोजन और दैनिक जीवन से। ध्यान रहे कि इससे पहले 2017 में ही 70 नए भारतीय शब्द जोड़े गए थे, जिनमें 'दादागिरी', 'अच्छा' और 'बापू' शामिल हैं। ये शब्द ब्रिटिश राज के दौरान या वैश्वीकरण के माध्यम से अंग्रेजी में शामिल हुए, और अब वे वैश्विक ▶▶|शेष पेज 4 पर

भारतीय शब्द भी शामिल, आधार, चावल शादी, हड़ताल और डब्बा

'ऑक्सफोर्ड लैंग्विजेज' ने 'आत्मनिर्भरता' को हिंदी भाषा का शबद चुना। 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया' की ओर से कहा गया कि कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था से निपटने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' को एक हथियार के रूप में देखा गया। पिछले गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर आत्मनिर्भर भारत अभियान से संबंधित झांकी भी निकली थी। इससे पहले 2017 में 'आधार', 2018 में 'नारी शक्ति' और 2019 में 'संविधान' को ऑक्सफोर्ड ने हिंदी भाषा का शब्द चुना था। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में पिछले कुछ वर्षों में 26 भारतीय शबदों को जगह दी गई है। इनमें आधार, चावल, शादी, हड़ताल और डब्बा जैसे शब्द शामिल हैं। इतना ही नहीं डिक्शनरी में कुछ खास शब्दों जैसे चैटबॉट और फेक न्यूज को भी स्थान दिया गया है।

अमेरिका में 'हिंदी स्पीकिंग कोर्स'

अमेरिकी गुरुकुल में संचालित किए जा रहे हैं सात वर्षीय पाठ्यक्रम

स्कूलों में विदेशी भाषा का विकल्प बनी हिंदी

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

आपने इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स कभी किया होगा या जीवन में कभी ना कभी इसका नाम सुना होगा। जिस तरह से इंग्लिश सीखने हम कई तरह के जतन करते हैं, उसी तरह हिंदी सीखने के लिए अब विदेशी जतन कर रहे हैं। अमेरिका में हिंदी सीखने के लिए विशेष रूप से हिंदी स्पीकिंग कोर्स चलाए जा रहे हैं।

अमेरिका के सीएटेल में रहने वाली एनआरआई नमिता बताती हैं कि यहां गुरूकुल नाम से विशेष संस्था ही संचालित हो रही है। गुरुकुल में हिंदी भाषा का ज्ञान प्रदान करने के साथ ही भारतीय संस्कृति से भी छात्रों को परिचित कराया जाता है। सीएटेल, वॉशिंगटन राज्य का एक शहर है। हिंदी सीखने वालों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अब गुरुकुल की ब्रांच अन्य शहरों में भी खोले जाने की तैयारी है। ▶▶|शेष पेज 4 पर

हाईस्कूल और हायरसेकंडरी में एक विदेशी भाषा का चुनाव होता है अनिवार्य

सात साल का पाठ्यक्रम

यहां 7 सालों का पाठ्यक्रम निर्धारित होता है। अमेरिका जा बसे भारतीयों के छात्र तो यहां आकर हिंदी सीखते ही हैं, अमेरिकी विद्यार्थी भी पूरे लगन से यहां हिंदी भाषा का ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। हालांकि उनकी संख्या अपेक्षाकृत कम है, लेकिन धीरे-धीरे इसमें वृद्धि हो रही है। नमस्ते, जैसे इस तरह के कई शब्द हैं जो अमेरिकी आसानी से समझ जाते हैं।

ऑनलाइन कक्षाएं भी

भारत से अमेरिका जा बसी नेहा तिवारी बताती हैं कि वहां हिंदी की ऑनलाइन कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इसके लिए हिंदी लर्निंग अकेडमी बनाई गई है। यह हिंदी भाषा अकादमी बच्चों और युवाओं को वास्तविक जीवन के परिदृश्यों के माध्यम से हिंदी सीखाती है। प्रोजेक्ट और रोजमर्रा की गतिविधियों पर आधारित कई तरह के कार्य उन्हें दिए जाते हैं, जिससे वे हिंदी ▶▶|शेष पेज 4 पर

प्रवासी भारतीयों ने बढ़ाई हिंदी की ताकत
दुनियाभर में प्रचलित हो रही है हिंदी

दुनिया के 50 से अधिक ऐसे देश जहां हिंदी थोड़ी या बहुत प्रचलित है

हिंदी यहाँ की प्रमुख भाषा लगभग 60 करोड़ लोग बोलते हैं

यूं हिंदी भारत की अधिकारिक भाषा है। लेकिन प्रवासी भारतीयों, हिंदी फिल्मों और कारोबारी रिश्तों के चलते दुनिया के 50 से अधिक देश ऐसे हैं जहां हिंदी बोलकर काम चलाया जा सकता है।भारत के पड़ोसी देश नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, बांग्लादेश तो हैं ही, संयुक्त राज्य अमीरात के सभी देशों में हिंदी सामान्य बोलचाल की भाषा बन गई है। दुबई में बड़ी संख्या में भारतीय कार्यरत हैं। दुबई के किसी भी हिस्से में हिंदी बोलकर संवाद किया जा सकता है। इसी तरह श्रीलंका, खासकर कोलंबों में हिंदी के शब्द वहां लोग समझते हैं और जवाब देते हैं। मालदीव में भारतीय कामगारों और पर्यटन की वजह से हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ी है। वहां स्थानीय नागरिक हिंदी समझ और थोड़े बहुत शब्द बोल लेते हैं। अफगानिस्तान में बॉलीवुड का प्रभाव बहुत है। वहां हिंदी फिल्मों के चलते सामान्य बोलचाल में हिंदी समझ और बोली जाती है। मॉरीशस, उत्तरी अमेरिका, कनाड़ा, त्रिनिनाद जैसे देशों में हिंदी की स्वीकार्यता है।

इन देशों में हिंदी का चलन

- नेपाल (व्यापक समझ, खासकर सीमावर्ती और पर्यटन क्षेत्रों में), भूटान (सीमा और बाजार इलाके, बांग्लादेश (सीमा और शहरी इलाकों में लोग
- पाकिस्तान (उर्दू-हिंदी परस्पर समझ)
- श्रीलंका (भारतीय प्रवासी समुदाय, खासकर कोलंबो)
- मालदीव (भारतीय कामगारों और टूरिज्म क्षेत्र में
- संयुक्त अरब अमीरात
- सऊदी अरब
- कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, इजरायल (भारतीय यहूदी और कामगार समुदाय
- अफगानिस्तान, (बॉलीवुड प्रभाव, पुराना संपर्क)
- ईरान (कुछ समझ, प्रवासी भारतीयों से) रूस (फ़िल्मों और गानों से लोकप्रियता)
- कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिजस्तान

▶▶|शेष पेज 4 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹80011/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹97720/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹106670/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
एक्ने स्कार्स परमानेंट रिमूवल
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री के साथ पीएच.डी. प्रोग्राम भी उपलब्ध

विश्व के 95 देशों के 600 विश्वविद्यालयों शैक्षणिक संस्थाओं में हिंदी दिखा रही दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

एक भाषा के रूप में हिन्दी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ-साथ विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा भी है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। हिन्दी भाषा को विदेशों में बड़े पैमाने पर अपनाया गया है। हिन्दी का शिक्षण एवं प्रशिक्षण विश्व के लगभग 95 देशों के 200 विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं में चल रहा है। कई विदेशी विश्वविद्यालय हिंदी में स्नातक (बैचलर) और स्नातकोत्तर (मास्टर) डिग्री प्रदान करते हैं। ▶▶|शेष पेज 4 पर

इन विश्वविद्यालयों हो रही पढ़ाई

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी- यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में हिन्दी पढ़ाई जाती है। हंगरी के रहने वाले प्रोफेसर इमरै बंघा ऑक्सफोर्ड में छात्रों को हिन्दी सिखाते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी इंग्लैंड के ऑक्सफोर्ड में स्थित है। यह एक कॉलेजिएट शोध विश्वविद्यालय है।
कैंब्रिज विश्वविद्यालय- कैंब्रिज विश्वविद्यालय में भी हिन्दी पढ़ाई जाती है। हिन्दी साहित्य के इतिहासकार व्याकरण के विद्वान रोनाल्ड स्टुअर्ट मेक्ग्रेगॉर हिन्दी पढ़ाते हैं। इंग्लैंड के कैम्ब्रिज शहर में स्थित यह विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृति, इतिहास और प्रौद्योगिकी का केंद्र है। इस समय इसके साथ 31 कॉलेज, 100 विभाग, फैकल्टी, सिंडिकेट और 6 स्कूल हैं।
लंदन विश्वविद्यालय- यहां पर स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, कल्चर्स एंड लिंग्विस्टिक के तहत हिंदी में ग्रेजुएट तथा पोस्टग्रेजुएट दोनों स्तर के कोर्सेज चलाए जा रहे हैं। इन कोर्सेज में हिंदी, संस्कृत तथा उर्दू भाषा को सम्मिलित किया गया है। पोस्टग्रेजुएट कोर्स (एमए) ▶▶|शेष पेज 4 पर

इस तरह के कोर्स चलाए जा रहे

- अमेरिका के 32 विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में होती है हिंदी की पढ़ाई
- लंदन यूनिवर्सिटी, कैंब्रिज और यॉर्क यूनिवर्सिटी में विद्यार्थी पढ़ रहे हिंदी
- जर्मनी के 15 शिक्षण संस्थानों ने हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन को अपनाया है
- अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में 1815 से ही हिंदी पढ़ाई जा रही है
- 'लैंग्वेज यूज इन यूनाइटेड स्टेट्स-2011' की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में बोली जानेवाली शीर्ष ▶▶|शेष पेज 4 पर

एक करोड़ की ईनामी सुजाता ने किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

नक्सलियों के केंद्रीय कमेटी मेंबर व दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो की प्रभारी सुजाता उर्फ कल्पना ने शनिवार को तेलगांना स्टेट के डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो गई। एक करोड़ की ईनामी सुजाता पर छग में 40 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। उसके पति नक्सली कमांडर किशनजी की पश्चिम बंगाल में हुए मुठभेड़ में मौत के बाद वह संगठन में और दण्डकारण्य क्षेत्र में अधिक सक्रिय हो गई थी। उसके खिलाफ बस्तर संभाग के अलग अलग जिले में 72 से अधिक मामले दर्ज हैं तथा बस्तर में हुए कई बड़ी घटनाओं की वह मास्टर माइंड थी। बस्तर में हुए इन घटनाओं में 230 से अधिक जवानों की शहादत के अलावा कई निर्दोष लोगों के मौत का भी उसे जिम्मेदार माना जाता है। केंद्रीय समिति मेंबर ▶▶|शेष पेज 4 पर

- छत्तीसगढ़ में था 40 लाख का ईनाम घोषित
- बस्तर के थानों में 72 मामले थे दर्ज, 230 जवानों के मौत की जिम्मेदार
- सीसी मेंबर सुजाता उर्फ कल्पना दंडकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो की थी प्रभारी

बस्तर में कई घटनाओं की सुजाता मास्टरमाइंड

तेलगांना में सीसी मेंबर सुजाता के समर्पण को नक्सल संगठन के लिए जहां बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के सफाए के एलान के बाद इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। दण्डकारण्य विशेष जोनल समिति के दक्षिण उप जोनल ब्यूरो प्रभारी सुजाता को बस्तर के कई बड़ी नक्सल हमलों का मास्टर माइंड माना जाता है। इन वारदातों में वर्ष 2007 में एराबोर सुकमा में सीआरपीएफ व पुलिस बल पर हुए हमले में 23 जवान शहीद, वर्ष 2010 में ताड़मेटला ▶▶|शेष पेज 4 पर

दो मुठभेड़ में मारे गए 24 लाख रुपए के ईनामी तीन नक्सली

बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ हुए दो अलग मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त हिड़मा पोडियम, मुन्ना मड़कम व अरूण मड़काम के रूप में हुई है जिन पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। मारे गए तीनों नक्सली पीपीसीएम कैडर कंपनी नम्बर दो, पीएलजीए कम्पनी नम्बर दो व प्लाटून ▶▶|शेष पेज 4 पर

मिले हथियार व अन्य सामान

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से मारे गए माओवादियों के शव के अलावा 303 रायफल, मैग्जीन, जिंदा राउण्ड, 12 बोर बंदूक, बीजीएल लांचर व जिंदा राउण्ड के अलावा बैटरी, कार्डेक्स वायर, स्केनर सेट, माओवादी साहित्य ▶▶|शेष पेज 4 पर

'भारत पर 50% टैरिफ लगाना आसान नहीं था'

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण टैरिफ (कर) लगाना आसान फैसला नहीं था।

उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में खिंचाव पैदा हो गया। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'भारत रूस का सबसे बड़ा ग्राहक था। मैंने भारत पर 50% टैरिफ लगाया, क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे थे। यह बहुत बड़ा कदम था और इससे भारत के साथ मतभेद बढ़े.' ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस का मुद्दा यूरोप की समस्या ज्यादा है, अमेरिका की कम. उन्होंने दावा किया कि अपने कार्यकाल में उन्होंने कई बड़े विवाद सुलझाए, जिनमें पाकिस्तान-भारत का मसला भी शामिल है।

दो संदिग्धों को पुलिस हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ

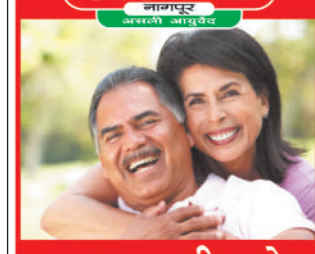

सोशल मीडिया में सामाजिक, धार्मिक के साथ राजनीतिक संगठनों ने जताया विरोध

रायपुर में न्यूड पार्टी...प्रदेशभर में हंगामा पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

इंस्टाग्राम के माध्यम से राजधानी में न्यूड पार्टी आयोजन होने का पोस्टर जारी होने पर बवाल मच गया है। न्यूड पार्टी आयोजित करने पोस्टर जारी करने वालों की पहचान करने पुलिस शनिवार को पूरे दिन परेशान होती रही। इंस्टाग्राम में जिस आईडी से पोस्ट किया गया था, आईडी की पहचान कर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है, पुलिस जिन दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है, उनके द्वारा न्यूड की जगह पूल पार्टी आयोजित किए जाने की बात सामने आई है। इस लिहाज से न्यूड पार्टी को लेकर पोस्टर जारी करने वालों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। पोस्टर जारी होने पर हिंदू संगठनों के साथ ही ▶▶|शेष पेज 4 पर

आयोजन को लेकर विरोध

कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने ऐसे आयोजनों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा- "इन आयोजनों को किसका संरक्षण है...? शराब, ड्रग्स परोसने के बाद अब नग्नता परोसने की बारी... 21 सितम्बर का ये आयोजन रायपुर में नहीं होने देंगे। अपने शहर को दागदार नहीं होने देंगे।" बजरंग दल के नेता योगेश सैनी ने ऐसे आयोजनों को लेकर आक्रोष व्यक्त करते हुए कहा कि धर्म संस्कृति की रक्षा करने हाथ जोड़कर समझाने का काम बहुत हो गया। ऐसे लोगों को योगेश सैनी ने सख्ती से ▶▶|शेष पेज 4 पर

सख्ती से निपटने की चेतावनी

न्यूड पार्टी को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अभी मुझे इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन अगर कोई ऐसा करने का प्रयास करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- इस बात की चिंता है कि आज की युवा पीढ़ी क्यों नहीं समझ पा रही है। हमारा देश संतों का देश है, धरती को माता कहते हैं। यहां गंगा-यमुना जैसी पावन नदियां बहती हैं। ऐसे में इस प्रकार का आयोजन नहीं होना चाहिए।

बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद

आयुर्वेद अपनाए..स्वस्थ रहें!

स्वस्थ हृदय ही अच्छे स्वास्थ्य की पहचान है।
बैद्यनाथ असली आयुर्वेद
अर्जुनामृत

- अर्जुनामृत में अर्जुन के अलावा विडंग, गोखरू एवं नागकेशर जैसे बहुमूल्य जड़ी-बूटीयों से युक्त होने से अधिक गुणकारी है।
- बढ़ती उम्र के लिए लाभकारी।
- अर्जुनामृत के साथ शुध्द शिलाजीत युक्त प्रभाकर बटी का सेवन विशेष लाभदायक है।

श्री सागर बनोदे, बिलासपुर
प्र. मुझे चार साल से बवासीर की तकलीफ है। शौच के जगह खुजली चलती है व दर्द बहुत होता है। कब्ज़ की तकलिफ है। शौचाद्वारा रक्त गिरता है।
उ. **बैद्यनाथ सिड्पाईल्स** 2–2 टॅबलेट दिन में दो बार पानी के साथ लेवें। **बैद्यनाथ अभयामृत** 2–2 चम्मच समभाग पानी के साथ दिन में दो बार भोजनबाद लेवें।

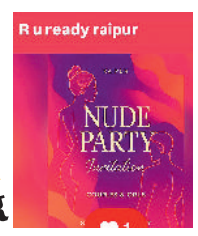

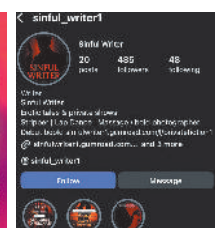

श्री संकेत कुमार, रायपुर
प्र. मेरी आयु 60 वर्ष है। मुझे 5 वर्ष से मधुमेह हुवा है। शरीर में कमजोरी लगती है। कृपया आयुर्वेदिक उपाय बतायें।
उ. महोदय, आप अपने खान पान का ध्यान रखें। व शुगर बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का परेहज करें। **बैद्यनाथ मधुमेहारी ग्रेन्युल्स्** 1–1 चम्मच सुबह–शाम पानी के साथ सेवन करें। इसका सेवन लगातार करें यह दवा किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नही करती व रक्तशर्करा सामान्य बनाने में सहायक है।

श्रीमती चंद्रकला मिश्रा, राजनांदगाव
प्र. बरसात के दिनों में सर्दी, खाँसी की तकलीफ बनी रहती है। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बतायें।
उ. **बैद्यनाथ लक्ष्मीविलास रस (नारदीय)** 1–1 टॅब पीसकर शहद + अदरक रस के साथ लेवें। **बैद्यनाथ कासविन** 2–2 चम्मच सुबह शाम लेवें। रात को सोने के पूर्व **बैद्यनाथ सितोपलादी चूर्ण** आधा चम्मच शहद के साथ लेवें।

श्री राजेश पुरोहित, दुर्ग
प्र. मेरी उम्र 55 वर्ष है। मै पेशाब की समस्या से परेशान हुँ। मुझे प्रोस्टेट की समस्या का पता चला है। कृपया आयुर्वेदिक दवां बताये।
उ. **बैद्यनाथ प्रोस्ट–एड टॅबलेट** 1–1 टॅबलेट सुबह शाम पानी के साथ लेवें।

वैद्य रमेश शर्मा, एम. डी. (आयु.)
प्रधान वैद्य

बैद्यनाथ के दवाइयों के साथ जानकारी हेतु सेवनविधी दी है। इस का प्रयोग वैद्यकिय परामर्श से करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 844 844 4935 I www.baidyanath.co

नेपाल में 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हो रहा था। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन केवल एक विरोध भर नहीं है। क्योंकि नौजवान आंदोलन में बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों में 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। यही आंदोलन का कारण रहा। नेपाल के आंदोलन का विश्लेषण करता आजकल का खास अंक...

नेपाल में युवा विद्रोह की जड़ें कहां

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका को खटकने लगता है।

श्रीलंका में जुलाई 2022, इसके पश्चात बांग्लादेश में अगस्त 2024 और नेपाल में सितंबर 2025 में नौजवान विद्रोहियों द्वारा राजसत्ता के प्रतिष्ठानों पर भीषण हिंसक आक्रमण अंजाम दिया गया। अंततः तीनों देशों के शासकों को राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। तमिल टाइगरों के विरुद्ध सैन्य संग्राम जीतने वाले श्रीलंका के तत्कालीन प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को नौजवानों के हिंसक आक्रमण से जान बचाकर श्रीलंका से पलायन करना पड़ा। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन पर नौजवान विद्रोहियों ने आधिपत्य स्थापित कर लिया था। महिंदा राजपक्षे के प्रधानमंत्री कार्यालय को जला कर खाक कर दिया गया। बांग्लादेश में नौजवान विद्रोहियों द्वारा सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ प्रारम्भ किए गए आंदोलन की विध्वंसकारी हिंसा के कारणवश बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी जान बचाकर भारत में राजनीतिक शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश में भी शेख हसीना के प्रधानमंत्री निवास का विध्वंस करके उपद्रवियों ने लूटपाट अंजाम दी थी। नेपाल में हिंसक युवा उपद्रवियों द्वारा 8 और 9 सितंबर को दुर्भाग्यपूर्ण तौर पर नेपाल को विध्वसंकारी आग में झोंक दिया गया। नेपाल का संसद भवन, सुप्रीम कोर्ट, सिंह दरबार का शासकीय सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय सहित आदि अनेक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय इमारतों को महज दो ही दिनों में जला कर खाक़ कर दिया गया। हिंसक उपद्रवों की ज्वालाओं से सरकारी संस्थानों में केवल काठमांडू का एयरपोर्ट ही अब शेष बच सका।

जनतांत्रिक राजसत्ता का आत्मसमर्पण

यक्ष प्रश्न है कि नेपाली सैन्य दस्तों की सशक्त उपस्थिति में नेपाली जनतंत्र के इन समस्त महत्वपूर्ण स्तंभों को हिंसक उपद्रवियों द्वारा विध्वंसक आग के हवाले आखिरकार कैसे कर दिया? नेपाल के वित्तमंत्री को बेरहमी से पीटा गया। इंतहा तो ये हुई कि हिंसक उपद्रवियों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को उनके निवास में जिंदा जला दिया गया। नेपाल में अनेक वरिष्ठ राजनीतिक लीडरों केपी शर्मा ओली, शेरबहादुर देऊबा, पुष्प कमल प्रचंड आदि के जीवन को हिंसक उपद्रवियों की आक्रामक हिंसा से किसी तरह से बचाया जा सका। तत्पश्चात 10 सितंबर को नेपाल की जनतांत्रिक राजसत्ता ने आत्मसमर्पण कर दिया। नेपाली सरकार की कमान को कुछ दिनों के लिए सेना द्वारा संभाल लिया गया। फिलहाल रिटायर्ड चीफ जस्टिस सुशीला कार्की को नेपाल का अंतरिम प्रधानमंत्री मनोनीत कर दिया गया। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में नौजवानों के हिंसक विद्रोहों के मध्य बहुत कुछ एक सा घटनाक्रम (पैटर्न) प्रतीत होता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल तीनों देशों के नौजवान बड़े

पैमाने पर बेरोजगारी से संत्रस्त रहे हैं। तीनों देशों के नौजवानों में बेरोजगारी की दर तकरीबन 20 प्रतिशत रही है अर्थात पांच नौजवानों के मध्य से एक नौजवान बेरोजगारों की कतार में हताश-निराश खड़ा हुआ है। नौजवानों के हिंसक विद्रोह का शिकार बने तीनों देशों के शासक रणनीतिक और राजनीतिक तौर पर कम्युनिस्ट चीन के अत्यंत निकट रहे थे और भ्रष्टाचार के संगीन इल्जामों से घिरे रहे। दक्षिण एशिया का जो भी राष्ट्र चीन के निकट हो जाता है, वो स्वतः ही अमेरिका की निगाहों में खटकने लगता है। तीनों देशों में अमेरिका द्वारा पोषित और प्रेरित कथित स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से नौजवानों के मध्य फैले हुए गहन असंतोष और आक्रोश को चीन समर्थक राजसत्ता के विरुद्ध खड़ा किया जाता है।

नेपाल में 'जेन जी' का आंदोलन

बांग्लादेश में जेहादी आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर के एक सरगना महफूज आलम के माध्यम से जमात-ए-इस्लामिया से संबद्ध इस्लामी छात्र शिबिर संगठन को अमेरिका द्वारा करोड़ो डॉलरों की अकूत फंडिग की गई, ताकि शेख हसीना की हुकूमत का तख्ता पलट किया जा सके। आजकल जेहादी सरगना रहा महफूज आलम बांग्लादेश की मोहम्मद यूनूस हुकूमत में एक उच्च पद पर आसीन है। नेपाल में 8 सितंबर को 36 वर्षीय सुदन गुरंग के स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' द्वारा संगठित और संचालित 'जेन जी' के परचम तले नौजवान विद्यार्थियों का आंदोलन प्रारम्भ हुआ। उल्लेखनीय है कि सूदन गुरंग के कथित स्वयंसेवी संगठन 'हमी नेपाल' को करोड़ों डॉलर की अकूत राशि अमेरिका से प्राप्त होती रही है। नेपाल में आकस्मिक तौर पर उत्पन्न हुई राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता वस्तुतः भारत के लिए गहन गंभीर चिंता और सोच विचार का विषय है। नेपाल में निरंतर गति से बढ़ती हुई आर्थिक विषमता, नौजवानों के मध्य फैली भयावह बेरोजगारी, राजनेताओं का बेलगाम भ्रष्टाचार और परिवारवाद वस्तुतः युवा आक्रोश की बुनियाद में निहित रहा है।

आंदोलन में हिंसक उपद्रवी हुए दाखिल

युवा विद्यार्थियों की जायज मांगों को लेकर प्रारम्भ हुआ 'जेन जी' आंदोलन प्रथम दृष्टया एकदम स्वतः स्फूर्त प्रतीत हुआ। किंतु कुछ ही घंटों के पश्चात स्पष्ट हो गया कि आंदोलन कदाचित स्वतः स्फूर्त नहीं रह गया। क्योंकि नौजवान आंदोलन की पांतों में 8 सितंबर की दोपहर तक बहुत भारी संख्या में हिंसक उपद्रवी दाखिल हो गए। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना के हिंसक समर्थक और विदेशी एजेंट बड़ी तादाद में नेपाल में जनतंत्र विरोधी एजेंडे को अंजाम देने के लिए विध्वंस में उतर गए। हिंसा रोकने के प्रयास में 8 सितंबर को पुलिस फायरिंग में 20 उपद्रवी हलाक हो गए और तकरीबन चार सौ जख्मी हो गए। अभी तक हलाक होने वालो की संख्या 50 से अधिक हो चुकी है। बड़े पैमाने पर नेपाली सैनिक टुकड़ियों की मौजूदगी में हिंसक उपद्रवियों ने महत्वपूर्ण शासकीय भवनों को जला कर खाक कर दिया। उल्लेखनीय है कि नेपाली सेना का मुख्यालय संसद भवन के ठीक पीछे स्थित है। संसद भवन को जब उपद्रवियों द्वारा जलाया जा रहा था, तो उस वक्त सैन्य दस्ते वहां पर बड़ी संख्या में तैनात थे, किंतु हिंसक उपद्रवियों के विरुद्ध कोई सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी गई। दीर्घ कालीन जन संघर्षों के तत्पश्चात 28 मई 2008 को नेपाल की धरा पर 239 वर्ष पुराने राजतंत्र को दफ़ना कर संसदीय जनतंत्र का उदय हुआ। सन् 1996 में पुष्प कमल प्रचंड की कयादत में प्रारम्भ हुए गुरिल्ला युद्ध द्वारा 2008 में राजतंत्र को उखाड़ फेंका गया। प्रचंड के नेतृत्व वाली गुरिल्ला सेना ने राजा ज्ञानेंद्र के नेतृत्व वाली नेपाली शाही सेना को करारी शिकस्त दी और राजधानी काठमांडू को चारों तरफ से घेर लिया। नेपाल में माओवादी कम्युनिस्टों की सैन्य फतह से अमेरिका हतप्रभ होकर रह गया। प्रचंड की कयादत में कम्युनिस्ट यदि चाहते तो उसी वक्त नेपाल में अपनी तानाशाह हुकूमत कायम कर सकते थे, किंतु कम्युनिस्टों ने संसदीय जनतंत्र स्थापित करने का शानदार निर्णय लिया, क्योंकि कम्युनिस्ट तानाशाही के भयंकर दुष्परिणाम सोवियत संघ में देख चुके थे। संविधान निर्माण के बाद 2015 में राजतंत्र के स्थान पर बाकायदा संसदीय जनतंत्र स्थापित किया गया। नेपाल की धरा पर राजतंत्र विरोधी जनतांत्रिक इंकलाब का एक दौर कामयाब हो गया। जनतंत्र स्थापन के वक्त से ही राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रति-क्रांतिकारी नेपाल के जनतंत्र का खात्मा करने की खातिर सक्रिय हो गए। नेपाल में राजतंत्र के विरुद्ध कम्युनिस्टों की ऐतिहासिक कामयाबी और समूचे नेपाल में वामपंथ की जबरदस्त लहर से विश्वपटल पर नव साम्राज्यवाद का सरगना मुल्क अमेरिका अत्यंत चिंतित हो गया।

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता के खिलाफ अमेरिका

चीन समर्थक वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिका ने बड़े धीरज के साथ वाजिब वक्त का लंबा इंतजार किया। नेपाल में सन् 2008 के बाद से अभी तक के 17 वर्षों के दौरान 13 प्रधानमंत्री राजसत्ता के शिखर पर आसीन हुए। तकरीबन सभी नेपाली राजनेताओं के भ्रष्टाचारी दलदल में आकंठ तक डूब जाने के कारण नेपाल के नौजवान विद्यार्थियों में विद्रोह की विकट भावना को जाग्रत कर दिया। एक तरफ नेपाल में राजनेताओं के परिवारों की विलासपूर्ण जिंदगी की तस्वीरें और दूसरी तरफ नेपाली नौजवानों के मध्य फैली हुई 21 प्रतिशत बेरोजगारी और गुरबत। इन विकट हालात ने नौजवानों में बगावत की आग उत्पन्न की। संसदीय जनतंत्र के 17 वर्ष के दौर में राजनेताओं द्वारा नौजवानों की बेरोजगारी और उचित मांगों के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैया अख्तियार किया गया। नेपाली जनतंत्र के नेताओं और नौजवानों के मध्य ऐसी गहरी खाई उत्पन्न हो गई कि जिसे पाटना तकरीबन नामुमकिन हो गया। नेपाल के जनतंत्र का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण वृतांत है कि माओवादी गुरिल्ला युद्ध का सर्वोच्च लीडर रहा पुष्प कमल दहल प्रचंड भी भ्रष्टाचारी लीडरों की इस जमात में शामिल हो गया। इसकी कयादत करने के लिए हुकूमत को कोई भी ईमानदार प्रधानमंत्री हासिल नहीं हो सका।

हिंसक वारदातों से गहन सबक ले भारत

नेपाल में राजतंत्र के मुकम्मल खात्मे और जनतंत्र में वामपंथियों के सत्तासीन हो जाने से सबसे अधिक तकलीफ अमेरिका को रही। 28 फरवरी 2003 को वाशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री डोनाल्ड कैंप ने एक समारोह में तक़रीर करते हुए फरमाया था कि यदि नेपाल में कम्युनिस्टों को कामयाबी मिल जाती है तो इससे दक्षिण एशिया में अमेरिका के राष्ट्रीय हितों को गहन क्षति पहुंचेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि नेपाल की स्थिति पर अमेरिका 'हर लम्हा' अपना ध्यान केंद्रीत किए हुए है। यह उस वक्त की बात है, जब नेपाल में भीषण गृहयुद्ध चल रहा था। नेपाल में संसदीय जनतंत्र की स्थापना के तत्पश्चात अमेरिका ने नेपाली सेना की पांतों में शनैः शनैः घुसपैठ प्रारम्भ की और जनतंत्र की स्थापना के बाद यह काम अत्यंत तेजी के साथ अंजाम दिया गया। अब तक परंपरागत तौर पर माना जाता रहा है कि भारत और नेपाल की सैन्य शक्तियों के मध्य एक बिरादराना संबंध कायम रहे हैं। भारत की गोरखा रेजिमेंट में नेपाल के तकरीबन पचास हजार सैनिक विद्यमान रहे हैं। लेकिन अमेरिका की सैन्य घुसपैठ पर आम तौर पर नेपाल के भी राजनेताओं ने ध्यान नहीं दिया। अगर इस तरफ प्रचंड का ध्यान दिलाया गया किंतु इसे कदाचित गंभीरता से नहीं लिया। राजतंत्र के दौर से ही नेपाली सेना के 200 से भी ज्यादा सैन्य सलाहकार अमेरिकी रहे हैं। सर्वविदित है कि अमेरिका की डीप स्टेट का मुख़्तलिफ़ मुल्कों में तख्ता पलट कराने में ऐतिहासिक किरदार रहा है। अमेरिका भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक देश रहा है। आजकल भारत और अमेरिका के मध्य कूटनीतिक कटुता कायम है। भारत को भी नेपाल के जनतंत्र विरोधी हिंसक वारदातों से गहन सबक हासिल करना चाहिए।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट का खेल

कूटनीति
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

शासन विस्थापन के लिए एक वर्ष पहले बांग्लादेश में जो अराजकतापूर्ण व हिंसक आंदोलन हुआ था, उसकी आड़ लेकर कठमुल्लों ने हिंदुओं पर अत्याचार आरंभ कर दिया था, तो उस देश के बारे में भारत में चिंतायें उभर आई थीं। किंतु नेपाल तो सामाजिक व सांस्कृतिक रूप में हिंदू राष्ट्र ही है, तब वहां शासन विस्थापना की हिंसक अराजकता क्यों उत्पन्न हुई और चार-पांच दिन क्यों फैली रही। तथ्यों के आधार पर यही कारण सामने आया है कि वहां वामपंथी विचारधारा के नेताओं ने नेपाल के सार्वजनिक जीवन व लोगों के लिए कुछ नहीं किया। परिणाम में बहुत दिनों से सत्तारूढ़ नेताओं के प्रति जनविद्रोह पनप रहा था और चार-पांच दिन पहले वह चरम पर पहुंच गया।

भारत के दायें-बायें तथा यहां-वहां जो छोटे-छोटे देश हैं वहां जैसे-तैसे स्थापित शासन जनांदोलन द्वारा उखाडे. जाते रहे हैं। नेपाल से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका जैसे देश ऐसी अराजकताएं झेल चुके हैं। दक्षिण एशिया के ये देश अभी तक तो अमेरिका, चीन और रूस के राजनीतिक, आर्थिक एवं रणनीतिक प्रयोजन के लिए शासन विस्थापन की अराजकतायें झेल रहे थे, किंतु अब भारत के वर्चस्व को कम या समाप्त करने के लिए भारत के चहुंओर स्थित छोटे-छोटे देशों को अस्थिर करने का कुचक्र चलाया जा रहा है।

कुचक्रव्यूह में अमेरिका शामिल

इस कुचक्रव्यूह में प्रथम भूमिका अमेरिका की है। अमेरिका से आशय वहां के उन डीप स्टेट्स यानी छुपे हुये गुप्त शासकों से है जो भारत में अपनी पसंद के शासन की स्थापना करने में बार-बार विफल हो रहे हैं। ये डीप स्टेट्स वही हैं जो ट्रंप शासन के माध्यम से भारत को अपने डेयरी उत्पाद खरीदने के समझौते करने को बाध्य कर रहे हैं। ये चाहते हैं कि सबसे अधिक जनसंख्या धारी भारत उनके उन सभी उत्पादों को उनकी शर्तों पर खरीदने के अनुबंध कर ले, जो भारत में धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक जीवन पद्धतियों के अनुरूप पूर्णरूपेण बड़ी मात्रा में अनुचित एवं वर्जित ही होंगे। हां, भारत का नास्तिक जनसमूह तथा इनके राजनीतिक प्रतिनिधि अपने जनसंचारिक ईकोसिस्टम के माध्यम से अमेरिका स्थित डेयरी तथा अन्य कंपनियों के डीप स्टेट्स तक अवश्य ही ये सूचनायें भेजते रहते हैं कि भारत में हमारे सत्तारूढ़ होने पर अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाएंगे। इसी लिए अमेरिकी तथा इनके अनुसरणकर्ता यूरोपीय देशों के डीप स्टेट्स द्वारा भारतीय शासन को अस्थिर करने व अपनी पसंद के शासक को सत्तारूढ़ करने की परिस्थितियां निर्मित करने के लिए नेपाल, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान के माध्यम से आंदोलन का वातावरण बनाया जाता रहा है।

डीप स्टेट्स की मंशा अधूरी

विगत दस-बारह वर्षों से भारत के विभिन्न प्रदेशों के विधानसभा चुनावों एवं लोकसभा चुनावों से पहले अलग-अलग तरह के विद्रोही गुटों को यहां-वहां सड़कों पर बैठाकर धरना-प्रदर्शन किए जाते रहे हैं। जब इस स्वदेशी विधि से भारत से

लेकर अमेरिका तक फैले डीप स्टेट्स की मंशा पूरी नहीं हुई, तो उन्होंने कभी श्रीलंका, कभी बांग्लादेश, कभी अफगानिस्तान तथा कभी पाकिस्तान में कराये गये अराजक आंदोलनों का सहारा लिया और अब वे नेपाल में आंदोलन कराकर भारत के लिये भूराजनीतिक संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। किंतु भारत अडिग है। भारतीयता की शक्ति अजेय है। भारत में या विदेश में कहीं कोई भी डीप स्टेट या अनेक डीप स्टेट्स हों, वे अंततः पराजित ही होंगे।

शुक्र है कि अब तक उनकी पराजय भारत के संयम एवं धैर्यबंध से ही हो रही है। जिस दिन भारत, विरोधियों की भांति अराजकतापूर्ण ढंग से आक्रमण करेगा, उस दिन दुनिया की छुपी हुई मक्कार शक्तियों को खुले में सबके सामने उनके किए का मृत्युदंड मिल रहा होगा। नेपाल की घटना के संदर्भ में एक स्वाभाविक जिज्ञासा ये भी उभरती है कि जब ऐसे देशों के शासक अपना शासकीय पदाधिकार सुरक्षित रखने में असमर्थ हैं और उग्रवादियों के सामने घुटने टेक भागने व अन्य देश में शरण लेने को विवश हो जाते हैं, तो फिर इन देशों के अस्तित्व की आवश्यकता ही क्यों है। यह बात बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, पाकिस्तान तथा शक्तिशाली देशों की मर्जी पर जैसे-तैसे चल रहे सभी देशों पर लागू होती है। ये बातें बाद की हैं कि शासन भ्रष्ट है, जनता से विमुख है और सार्वजनिक कल्याण की नीतियों का क्रियान्वयन नहीं कर रहा।

पहली विचारणीय बात तो ये है कि जो शासन और शासक अपने शासकीय धन, साधन, संसाधन तथा अन्य शक्तियों द्वारा उग्रवादियों, हिंसक आंदोलनकारियों को रोकने में पूर्णतः असमर्थ है तो फिर उनकी आवश्यकता ही क्या है और जिस देश पर वे शासन कर रहे हैं, उन देशों की भी क्या आवश्यकता है। बांग्लादेश और नेपाल की भांति अराजक हो जाने पर भारत के संदर्भ में भी यही जिज्ञासा उठेगी। जब नेपाल के शासक अपनी सेना के माध्यम से अराजकता नहीं रोक पाते हैं तो फिर नेपाली शासन और नेपाल देश का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता है। जब उग्रवादियों व आंदोलनकारियों को विदेशी शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए उपयोग कर रही हैं, तो फिर ऐसे उग्रवादियों-आंदोलनकारियों के प्रतिनिधि तख्तापलट के बाद सत्तारूढ़ होने पर नेपाल का प्रतिनिधित्व थोड़े ही कर रहे होंगे। वे तो विदेशी शक्तियों के हाथों की कठपुतली होंगे। उग्र आंदोलन तथा अराजक वातावरण निर्मित करके नेपाल के जिस कम्युनिस्ट शासन को विस्थापित किया गया है वो भी खुद कई वर्षों से चीन की कठपुतली बना रहा है। नेपाल ने जब पहले चीन के अनुसार और अब किसी नई डीप स्टेट शक्ति के अनुरूप चलना है, तो इस संदर्भ में गहन प्रश्न ये है कि ऐसे में नेपाल की आवश्यकता ही क्या है। जिस छुपी हुई शक्ति ने नेपाली युवाओं को भड़काया, उकसाया और अपने ही देश के साधनों-संसाधनों को जलाने-नष्ट करने के लिए दुष्प्रेरित किया है, वही शक्ति सामने आए और बना दे नेपाल को अपना उपनिवेश।

दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन

ऐसी शक्तियां द्विअर्थी तंत्र, सत्ता, शासन का खेल क्यों खेल रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर जब इनका विशेषाधिकार व नियंत्रण है, तो फिर ये किससे डरकर अपने तख्तापलट खेल को गुप्त रूप में खेलने को विवश हैं। ऐसी स्थितियों-परिस्थितियों में तथाकथित छोटे-मोटे देशों के निकृष्ट व दिखावटी लोकतंत्रात्मक शासन से श्रेष्ठ तो फिर उत्तर कोरियायी शासन तंत्र है, जो बिना लाग-लपेट के अपनी भूमि, अपने हिस्से के भूभाग पर अपना शासन चलाता है। लोकतंत्र अंगीकार किए हुए देशों की अराजकता देखकर अमेरिका जैसे पेशेवर ठग लोकतंत्र तथा नेपाल जैसे खिलौना लोकतंत्र की तुलना में उत्तर कोरियायी सीधा-सपाट एक अर्थ की बात करने वाला शासन तंत्र ही अधिक शासन संगत प्रतीत होता है।

अब भावी सत्ता के स्वरूप पर निगाहें

व्यवस्था
डॉ. एन. के. सोमानी
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर सरकार के नियंत्रण के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने जिस खतरनाक ढंग से सरकार का तख्तापलट किया है उसने शासन व्यवस्थाओं के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया से बैन हटाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी ने अलग-अलग समय सत्ता में भागीदार रहे नेताओं के घरों को निशाना बनाया, उससे साफ है कि गुस्से का तात्कालिक कारण सोशल मीडिया पर सरकार के नियंत्रण का फैसला ही नहीं है और भी कई वजह रही हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और मौजूदा मंत्रियों के आवास और दफ्तरों पर धावा बोलकर जेन-जी ने क्रांति का जो बिगुल फूंका देखते ही देखते वह जिस गति से 'सिंहासन खाली करो जनता आती है' तक पहुंचा, उससे साफ हो गया कि जेन-जी के भीतर किस कदर नेपाली नेताओं और उनकी नीतियों के खिलाफ नफरत भरी हुई थी।

धूं-धूं कर जलती संसद, आग की लपटों से घिरा राष्ट्रपति भवन और सुप्रीम कोर्ट से उठ रहा धुएं का गुब्बार बता रहा है कि नेपाल के युवाओं के भीतर पनपा यह उबाल हफ्ते-दस दिन का नहीं है। साल 2008 में राजा ज्ञानेंद्र के सत्ता से हटने के बाद नेपाल में अढाई सौ साल से चली आ रही राजशाही का तो अंत हो गया परन्तु लोकतंत्र का वह स्वरूप निकल कर नहीं आ सका जिसकी उम्मीद नेपाल के नागरिकों ने की थी। कहने को तो राजतंत्र संघीय गणतंत्र में बदल गया लेकिन शासकों की कार्य शैली में अहं का भाव जस का तस बना रहा। बड़ा दुर्भाग्य यह कि राजशाही खत्म होने के बाद कोई भी सरकार पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। देश पूरी तरह से राजनीतिक अस्थिरता के दलदल में धंस गया।

17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले

पिछले 17 सालों में 13 प्रधानमंत्री बदले। सत्ता प्रचंड, देउबा और ओली के बीच झुलती रही। जेन-जी की नाराजगी काा बड़ा कारण भ्रष्टाचार था। किसी भी दक्षिण एशियाई देश के नेताओं की तुलना में नेपाल के नेता अधिक भ्रष्ट हैं। करप्शन इंडेक्स में 180 देशों में नेपाल 107वें स्थान पर है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पास 300 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। भ्रष्टाचार का आलम यह कि लोगों में यह धारणा पुख्ता हो गई कि 'नेपाल भूकंप से तो कभी-कभी, भ्रष्टाचार से हर रोज हिलता है।' पिछले एक सप्ताह से काठमांडु की सड़कों पर करप्शन बैन करो, कनेक्शन नहीं' का नारा गूंज रहा था। संक्षेप में कहें तो नेपाल में करप्शन कल्चर हो गया जबकि सरकार का आरोप है कि कुछ लोग सोशल मीडिया के जरिए कल्चर को करप्ट कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार बना मूल कारण

भ्रष्टाचार के परिणामस्वरूप देश में अमीरी-गरीबी की खाई बढ़ती चली गई। बेरोजगारी 11 फीसदी से ऊपर हो गई। 2024 में 15-24 आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 20.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर कहा जाए तो ओली की भ्रष्ट हुकूमत अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर पाई। इन सबका मिलाजुला असर यह हुआ कि लोगों

के भीतर नाराजगी पनपती रही लेकिन सत्ता के अहं में अंधी ओली सरकार को इसका भान नहीं हुआ। विद्रोह की जो चिंगारी धीरे- धीरे धधक रही थी वो समय पाकर सुलग गई और तमाम संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जद में ले लिया। कहने को तो सरकार कह रही है कि डिजिटल अकाउंटेबिलिटि के रेग्यूलेशन बनाने और लागू करने के लिए 26 सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए। सरकार का कहना था कि प्लेटफार्म ने सरकार के नए कानून के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नहीं कराया। दूसरा सरकार का यह भी कहना था कि सोशल मीडिया पर उकासने वाले कंटेंट (फर्जी खबरें और अवैध गतिविधियों) को रोकने के लिए उन्हें नियंत्रित करना जरूरी था। लेकिन सच यह है कि हैशटैग्स नेपोकिड्स और नेपोबेबी के नाम से वायरल वीडियो लगातार नेपाली नेता और उनके परिजनों की लग्जरी जीवन शैली लोगों के सामने ला रहे थे। उससे नागरिकों को भीतर बेचैनी बढ़ रही थी। यही वजह है कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को आधार बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर बैन लगाने का फैसला किया। सरकार का यह फैसला केवल तकनीकी नहीं था, यह सीधे तौर पर लोगों की जिन्दगी में दखल था। दरअसल, नेपाल की 3 करोड़ की आबादी में करीब 40 लाख लोग विदेशों में काम करते हैं। विदेशों में रह रहे नेपाली लोगों को अपने परिजनों से संपर्क साधने और रेमिटेंस (प्रवासी आय) का पैसा भेजने के लिए सोशल मीडिया बड़ा माध्यम है। परिणामस्वरूप सरकार के इस फैसले की व्यापक आलोचना हुई। जेन-जी ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया। लोगों का कहना है कि यह प्रतिबंध राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शनों और सरकार विरोधी भावना को दबाने के लिए लगाया गया है। कुछ हद तक यह सही भी है। कहा जा रहा है कि सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए 'हामी नेपाल' नाम का एनजीओ चलाने वाले सुदान गुरंग ने इंस्टाग्राम पर युवाओं से स्कूल यूनिफॉर्म और स्कूली बैग लेकर सड़कों पर उतरने को कहा। 8 सितबर को नेपाल की संसद के सामने प्रोटेस्ट शुरू हुआ। यहां ओली सरकार ने भी बड़ी चूक कर दी। उसने जेन-जी को समझाने व बातचीत के जरिए किसी नतीजे तक पहुंचने के बजाए आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटने और गोली चलाने के आदेश दे दिए। पुलिस की गोलीबारी में 22 लोग मारे गए, जिसमें कई बच्चे भी शामिल हैं। बच्चों पर गोली चलाए जाने की खबर ने आग में घी का काम किया। आंदोलन और ज्यादा हिंसक हो गया जिसकी परिणति पूरी दुनिया ने देखी। हालांकि, अब स्थिति सामान्य हो गई है। सुशीला काकी ने अंतरिम सरकार की मुखिया के रूप में शपथ ले ली है लेकिन जेन-जी ने आंदोलन के नाम पर जो घाव और दाग संवैधानिक संस्थाओं को दिए हैं उनका क्या होगा? नेपाल में जिस तरह से राजनीतिक दलों ने अपनी आवाम का भरोसा खोया है उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि अंतरिम सरकार के नेतृत्व में होने वाले चुनाव में यही पार्टियां फिर से लड़ती हुई दिखेंगी या नई और छोटी पार्टियों के नेतृत्व में सरकार बनेगी। निर्दलीय प्रत्याशियों के भी बड़ी संख्या में चुनाव लड़ने की संभावना है।

नेपाल में चाहिए न्यूटल सरकार

ऐसे में नेपाल में बनने वाली भावी सरकार का स्वरूप और उसकी उम्र कितनी होगी, यह प्रश्न विचारणीय है। दूसरा, नई पार्टियां और कम राजनीतिक अनुभव वाले लोगों से मिलकर बनने वाली सरकार देश को राजनीतिक अस्थिरता के दौर से बाहर निकालने के लिए किस रोडमैप पर आगे बढ़ेगी। जहां तक भारत का सवाल है, भारत नेपाल में सीधे-सीधे हस्तक्षेप से बचेगा। लेकिन भारत इतना जरूर चाहेगा कि सरकार के निर्माण में चीन का दखल न हो। नेपाल में जो भी सरकार आए वो न्यूटल हो।

बिलासपुर, रविवार 14 सितंबर 2025 | आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी | वर्ष : 25, अंक : 172 | पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

वृक्षों के नाम पर लगी रोक

पर्यावरण मंत्रालय की टीम ने जब इस बांध स्थल का निरीक्षण करने पहुंची, तो टीम के सदस्यों ने बांध निर्माण स्थल के बजाय गांव में ही ग्रामीणों से जानकारी लिया कि इस बांध के निर्माण से कितना वृक्ष डुबान में आ रहा है। ग्रामीणो ने बोलचाल के भाषा में 20 से 25 लाख के पेड़ बताए। हकीकत में बांध निर्माण स्थल पर मात्र 20 से 25 नग कोसम का पेड़ हैं और कोसम के पेड़ को क्षेत्र में बोलचाल के भाषा में लाख का पेड़ कहा जाता है। ग्रामीणों ने बोलचाल के भाषा में वन विभाग पर्यावारण मंत्रालय के टीम को बताया कि यहां मात्र 20 से 25 नग लाख के पेड़ हैं। जिसे जांच में पहुंची टीम ने 20 से 25 लाख यानी लाखों पेड़ समझ बैठा और टीम के सदस्यों ने कहा कि 20 से 25 लाख पेड़ को बांध निर्माण के लिए नहीं काटा जा सकता।

सलफ जलाशय परियोजना में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने के बाद वन विभाग द्वारा लगाई रोक

मुख्यमंत्री की फटकार के बाद हरकत में सिस्टम... लाल फीताशाही में कैद जल योजना, 44 साल से अधूरी, अब थोड़ी हलचल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बीते दिनों जल संसाधन विभाग की बैठक में अफसरों पर भड़क गए थे। उन्होंने समीक्षा के दौरान अपने गृह जिले की योजना का जिक्र करते हुए कहा था कि एक सिंचाई परियोजना 49 साल से पूरी नहीं हुई है। अफसर अगर उसे पूरी नहीं कर सकते तो बता दें, वे किसानों को उनकी जमीन वापस कर देंगे।

हसन खान ⏭ मैनपुर

बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी लंबित परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया था। उसके बाद प्रदेश की परियोजनाओं की फाइलें खुलने लगी हैं। एक ऐसी परियोजना है गरियाबंद के मैनपुर क्षेत्र के बहुचर्चित सलफ जलाशय बांध योजना। उसका निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूर्ण होने के बाद पर्यावरण के ⏭शेष पेज 4 पर

हरिभूमि लाइव

जल्द मूर्त रूप लेगी सिंचाई परियोजना

गरियाबंद सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता एसके बर्मन ने बताया कि इसमें वन विभाग और पर्यावरण को जो आपत्ति थी। उसके पूरे कागजात क्लीयर कर लिए गए हैं। अटल सिंचाई योजना के तहत 30 करोड़ रुपए का स्टीमेट बनाकर मंत्रालय को भेजा गया है और मंत्रालय में इसकी समीक्षा बैठक भी हो चुकी है। उम्मीद लगाई जा रही है कि आने वाले दिनों में यह सिंचाई परियोजना अटल सिंचाई योजना के तहत मूर्त रूप लेगी।

प्राथमिकता में निर्माणः विधायक

विधायक जनक ध्रुव ने बताया कि सलफ जलाशय निर्माण मेरी पहली प्राथमिकता है। इस मामले को विधानसभा में दो बार प्रमुखता के साथ मेरे द्वारा उठाया गया है और तो और इस संबंध में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वनमंत्री केदार कश्यप को भी पूरे दस्तावेज और सलफ जलाशय की फाइल सौंपी जा चुकी है।

अचानक रोक दिया निर्माण कार्य

क्षेत्र के वरिष्ठ लोगों से मिली जानकारी के अनुसार सन 1979 में मांग पर मैनपुर नगर से 4 किलोमीटर दूर फूलझर पर दो छोटी पहाड़ियों को जोड़कर सलफ जलाशय निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। यह निर्माण कार्य लगातार 3 वर्षों तक चला, बांध निर्माण के लिए दोनों पहाड़ियों को जोड़ा जा चुका है और 5 से 6 किमी तक नहर का निर्माण कार्य भी हो ⏭शेष पेज 4 पर

नेपाल में काठमांडू घाटी और अन्य हिस्सों से कर्फ्यू हटा, जनजीवन हो रहा सामान्य

सत्ता संभालते ही एक्शन में कार्की, पूर्व पीएम ओली के खिलाफ एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुशीला कार्की को नेपाल की सत्ता संभाले हुए अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और उन्होंने ताबड़तोड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के खिलाफ 8 सितंबर को हुई पुलिस दमन के विरोध में एफआईआर दर्ज की गई है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की नई पीएम कार्की को बधाई संदेश भेजा है और उनकी नियुक्ति महिला सशक्तिकरण का शानदार उदाहरण बताया है।

नेपाल में काठमांडू घाटी और अन्य हिस्सों में लगाए गए कर्फ्यू व प्रतिबंधात्मक आदेशों को शनिवार को हटा लिया गया, जिसके बाद दैनिक जीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। नेपाली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार को कोई प्रतिबंधात्मक आदेश या कर्फ्यू लागू नहीं है। कई दिन तक बंद रहने के बाद दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल फिर से खुल गए तथा सड़कों पर आवाजाही फिर से शुरू हो गई। कई जगहों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिनमें प्रमुख सरकारी इमारतें भी शामिल हैं।

हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने इन इमारतों में तोड़फोड़ की थी और आग लगा दी थी। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई थी। इसके विरोध में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री कार्यालय में घुसने के तुरंत बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया था। नेपाल पुलिस के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को शुरू हुए 'जेन जेड' (1997 से 2012 के बीच जन्मे लोग) के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों में एक भारतीय नागरिक समेत कम से कम 51 लोगों की मौत हुई है। ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद नेपाली सेना ने सुरक्षा स्थिति को अपने नियंत्रण में ले लिया था।

छात्रों के नेतृत्व वाले प्रदर्शन में महत्वपूर्ण न्यायिक रिकॉर्ड नष्ट

संसदीय चुनाव 5 मार्च को

नेपाल में संसदीय चुनाव अगले साल 5 मार्च 2026 को होगा। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के कार्यालय ने यह घोषणा की। देश में एक सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद यह फैसला लिया गया। पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की (73) ने शुक्रवार रात देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही, देश में राजनीतिक अनिश्चितता का दौर समाप्त हो गया।

गोलीबारी के आदेश पर ओली पर केस

विरोध प्रदर्शन पर गोलीबारी का आदेश देने के आरोप में निवर्तमान पीएम ओली के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। नेपाल की प्रतिनिधि सभा के पूर्व सदस्य और कांग्रेस सांसद अभिषेक प्रताप शाह ने कपिलवस्तु के मुख्य जिला अधिकारी दिल कुमार तमांग के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है।

मंत्रिमंडल का आज हो सकता है विस्तार

नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। सुशीला कार्की जेन जेड प्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श में व्यस्त रहीं। संवाद का उद्देश्य आगामी कैबिनेट विस्तार के लिए सहयोग और समर्थन जुटाना बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को मोदी का बधाई संदेश

नेपाल की शांति, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कार्की को अपने शुभकामना संदेश के साथ पदभार ग्रहण की बधाई दी है। साथ ही उन्होंने निकट पड़ोसी हिमालयी देश की आम-जनता की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भी पूरी तरह से प्रतिबद्धता जताई। एक्स पर अपनी एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बीते शुक्रवार रात नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पद ग्रहण करने पर माननीय श्रीमती सुशीला कार्की जी को मैं भारत की 140 करोड़ जनता की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। भारत अपने नेपाली भाई-बहनों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने इंफाल में भी नेपाल के नए राजनीतिक घटनाक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत का एक दोस्त ही नहीं बल्कि परम मित्र है। दोनों देशों का साझा विश्वास का इतिहास है और इसी के तहत हम दोनों आगे बढ़ रहे हैं। मैं देश की 1.4 बिलियन जनता की तरफ से श्रीमती सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा है कि वो नेपाल को शांति, स्थिरता और समृद्धि के रास्ते पर आगे लेकर जाएंगी।

मोदी बोले- शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर पूरा करें सपना

एंजेसी ⏭ इंफाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि मणिपुर में पहाड़ों और घाटी के लोगों के बीच 'विश्वास' का मजबूत संबंध बनाया जाना चाहिए। मई 2023 में कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद, राज्य की अपनी पहली यात्रा के दौरान इंफाल के कांगला किले में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में सुलह और विकास के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने मणिपुर में किसी भी तरह की हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

- मणिपुर में हिंसा के दो साल बाद पहुंचे प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने कहा कि यह हिंसा हमारे पूर्वजों और हमारी भावी पीढ़ी के साथ भी बहुत बड़ा अन्याय है। इसलिए हमें मणिपुर को लगातार शांति और विकास के रास्ते पर आगे लेकर जाना है ⏭शेष पेज 4 पर

3,000 करोड़ का विशेष पैकेज

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र ने संघर्ष प्रभावित लोगों के लिए 7,000 नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी है, साथ ही लगभग 3,000 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा, हिंसा प्रभावित लोगों के जीवन में सामान्य स्थिति बहाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में, प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपए की 17 विकास परियोजनाओं की शुरुआत भी की।

मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन का उद्घाटन किया और आइजोल को दिल्ली से जोड़ने वाली राज्य की पहली राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। लगभग 8,070 करोड़ रुपए की बैराबी-सैरंग रेल लाइन को भारतीय रेल के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण माना जाता है। ⏭शेष पेज 4 पर

तीन नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

: प्रधानमंत्री ने तीन नई एक्सप्रेस ट्रेन - सैरंग (आइजोल)-दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल) राजधानी एक्सप्रेस, सैरंग-गुवाहाटी एक्सप्रेस और सैरंग-कोलकाता एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने रेलवे, सड़क मार्ग, ऊर्जा, खेल आदि समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

मणिपुरी बच्चों के साथ बिताया समय

पीएम मोदी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और मणिपुरी बच्चों के साथ समय बिताया। उन्हें चुराचांदपुर में फूलों से भव्य स्वागत मिला। उन्होंने बच्चों के साथ कुछ यादगार पर बिताए और बच्चों ने उन्हें गाना गाकर भी सुनाया।

ओडिशा में कार्रवाई, धरे गए तीन अफसर

सिविल सेवा परीक्षा का टॉपर 15 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ संबलपुर

ओडिशा सरकार के सतर्कता विभाग ने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोप में तीन सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें ओ डि शा सिविल सेवा परीक्षा की की 2019 परीक्षा के टॉपर अश्विनी कुमार पांडा भी हैं।

संबलपुर जिले के बामरा में तहसीलदार के रूप में कार्यरत ओडिशा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी पांडा पर आरोप है कि उन्होंने एक व्यक्ति से उसकी कृषि भूमि को होमस्टेड प्लॉट में बदलने के लिए 20,000 रुपए मांगे। उसने आरोप लगाया कि जब उसने पैसा देने में असमर्थता जताई तो पांडा ने कहा कि 15,000 रुपए देने होंगे।

दो और अधिकारी गिरफ्तार

अलग-अलग कार्रवाइयों में विजिलेंस ने नयागढ़ जिले के श्रम अधिकारी चित्तरंजन राउत और मयूरभंज जिले की लुहासिला ग्राम पंचायत की पूर्व पंचायत कार्यकारी अधिकारी (पीईओ) पुष्पिता महाकुड़ को भी गिरफ्तार किया। महाकुड़ इन दिनों मयूरभंज जिले में सब-कलेक्टर के कार्यालय में तैनात हैं। उन्हें वृद्धावस्था पेंशन निधि के 5,68,950 रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राउत को एक मजदूर से कथित तौर पर 6,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। राउत ने शिकायतकर्ता और 19 अन्य लोगों को श्रमिक कार्ड जारी करने के लिए रिश्वत मांगी थी।

तलाशी में मिले 4.73 लाख नकद और जेवर

अश्विनी कुमार पांडा से जुड़ी तीन संपत्तियों की तलाशी के दौरान, भ्रष्टाचार निरोधक अधिकारियों को भुवनेश्वर के पॉश जयदेव विहार इलाके में स्थित उनके आवास से कथित तौर पर 4.73 लाख रुपए नकद, सोने के आभूषण और जमीन से जुड़े दस्तावेज मिले। उनके बैंक में जमा राशि और अन्य निवेशों की जांच की जा रही है। सतर्कता अधिकारी ने कहा, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उन्होंने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है।

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत शृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

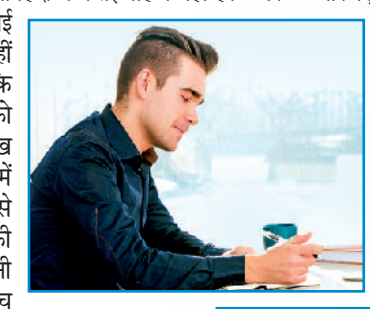

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंग्लुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

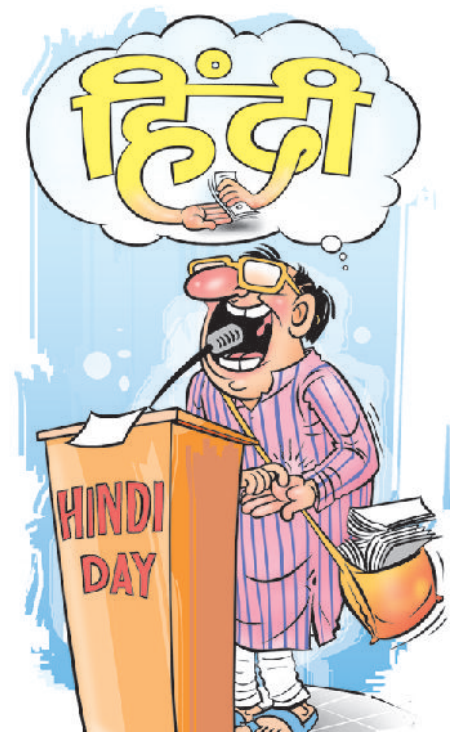

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

हरिद्वार अर्धकुंभ 2027 की तारीखों का ऐलान

पहली बार साधु-संन्यासियों के साथ होंगे 3 शाही स्नान

एजेंसी ▶▶| हरिद्वार

उत्तराखंड के हरिद्वार में साल 2027 में लगने वाले अर्धकुंभ की तारीखों का ऐलान हो गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने पुष्कर धामी सरकार का प्रस्ताव मंजूर करके अपनी मुहर लगा दी है और साथ ही शाही स्नान की तारीखें भी तय कर दी हैं। हालांकि उत्तराखंड सरकार आधिकारिक रूप से तारीखों का ऐलान कुछ समय बाद करेगी और फिर अपनी तरफ से अर्ध कुंभ की तैयारियां शुरू करेगी, लेकिन अखाड़ा परिषद तैयारी शुरू कर चुकी हैं। बता दें कि इस बार हरिद्वार में लगने वाले अर्धकुंभ 2027 में एक पुरानी परंपरा में बदलाव देखने को मिलेगा कि इस बार साधु-संन्यासियों, वैरागियों और अखाड़ों के साथ 3 शाही स्नान होंगे। पहला शाही स्नान 6 मार्च 2027 को महाशिवरात्रि के पर्व पर होगा।

अर्धकुंभ के लिए सृजित होंगे 82 पद

हरिद्वार में लगने वाले अर्धकुंभ 2027 के लिए 82 नए पद सृजित होंगे। पुष्कर धामी कैबिनेट ने जुलाई 2024 में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिनकी तैनाती अर्धकुंभ मेला अधिष्ठान में होगी। कुंभ और अर्द्धकुंभ के लिए 2 साल पहले ही मेला अधिष्ठान गठित कर दिया जाता है, जिसका काम तैयारियों को अलमीजामा पहनाना होता है। 82 नए पदों में से 9 पदों पर स्थायी, 44 पदों पर अस्थायी और 29 पदों पर आउटसोर्स रिक्रूटमेंट होगी।

देशभर के अखाड़ा परिषद, साधु-संत और श्रद्धालु आते हैं शाही स्नान करने

महाशिवरात्रि के पर्व पर होगा पहला शाही स्नान

नहीं होते स्थापित संन्यासी अखाड़े

जिस साल उज्जैन में मई-जून में सिंहस्थ पर्व और हरिद्वार अर्द्धकुंभ एक ही वर्ष में आते हैं तो ऊहापोह बढ़ता है। यही वजह रही कि हरिद्वार अर्द्धकुंभ में संन्यासी अखाड़े स्थापित नहीं होते।

प्रयागराज, हरिद्वार में है परंपरा

अर्धकुंभ की परंपरा सिर्फ प्रयागराज और हरिद्वार में ही है। उसमें भी प्रयागराज में अर्धकुंभ पर्व की भव्यता कुंभ और पूर्णकुंभ की तरह ही होती है। लेकिन अब तक हरिद्वार में अर्धकुंभ का आयोजन सिर्फ श्रद्धालु जनता के स्नान पर्व तक ही सीमित रहा. क्योंकि हरिद्वार में जिस साल अर्द्धकुंभ का योग बनता है, उसी साल तिथि या संवत के अंतर से त्र्यंबकेश्वर नासिक या उज्जैन में सिंहस्थ पर्व होता है।

सदियों पुरानी अर्धकुंभ की परंपरा

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि कुंभ और अर्धकुंभ की परंपरा सदियों पुरानी है। प्रयागराज और हरिद्वार में कुंभ और अर्धकुंभ की परंपरा रही है, जिसमें स्नान करके श्रद्धालु पुण्य कमाते हैं और मोक्ष की कामना करते हैं। इस साल अर्धकुंभ का योग बन रहा है, उसी साल त्र्यंबकेश्वर नासिक या उज्जैन में सिंहस्थ पर्व का योग भी बनता है।

'सुप्रीम कोर्ट हमें नहीं दे सकता एसआईआर कराने का निर्देश'

चुनाव आयोग ने दाखिल किया जवाबी हलफनामा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल किया है। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से देशभर में संसदीय, विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समयबद्ध तरीके से एसआईआर कराने के निर्देश वाली जनहित याचिका खारिज करने का आग्रह किया है। अपने हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि देशभर में चरणबद्ध तरीके से एसआईआर कराने का निर्णय करना निर्वाचन आयोग का संविधान प्रदत्त विशेषाधिकार है। लिहाजा अदालतें इस तरीके से एसआईआर का निर्देश नहीं दे सकतीं. अगर अदालत ऐसा निर्देश देती है तो ये निर्वाचन आयोग के संवैधानिक क्षेत्राधिकार में अतिक्रमण के समान होगा। निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका को सिरे से खारिज करने का आग्रह किया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय ने कहा था कि यह बिहार वोटर लिस्ट से जुड़ा मामला है।

याचिका में यह है मांग

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले 'मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण' यानी एसआईआर का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही राजनीति और देश की नीति तय करें, न कि अवैध विदेशी घुसपैठिए।

avinash
a relation for life

LIVE IN BALI
WHILE LIVING
IN NAYA RAIPUR

Amid the bustle of the city, Naya Raipur welcomes a **Neo-Balinese Villa living**, where you can unwind, relax and find yourself immersed in unbusy moments. That's the nature of life at **The Lagoon**.

YOU MIGHT HAVE **EXPERIENCED LUXURY IN NATURE**, BUT NONE LIKE THIS!

Private swimming pool features in each villa

Your villa either faces **a Lagoon or a Micro-forest**

1 Lakh sq. ft man-made Lagoon

Linear wooden patterns and organic greens all constitute your Balinese-inspired living

THE LAGOON
BY AVINASH

• 68 Villas • 1 km Linear Microforest • Club & Party Pavilion

LAUNCHING MODEL VILLA TODAY!

SECTOR 24, NAYA RAIPUR

Rera No.:
PCGRERA141022001540
https://rera.cgstate.gov.in

99075 88444

तरकश

संजय के दीक्षित

17 बरस की अविराम यात्रा

2008 में हरिभूमि समाचार पत्र से प्रारंभ हुआ साप्ताहिक स्तंभ 'तरकश' ने 17 बरस पूरे कर लिए हैं...वो भी अविराम। जाहिर है, किसी भी स्तंभ के लिए सबसे जरूरी निरंतरता होती है। 2018 के लास्ट में महीने भर के भीतर दो निकटतम परिजनों को खोने की वजह से सिर्फ तीन हफ्ते का ब्रेक आया। वरना, रायपुर में रहे या रायपुर से बाहर, प्रयास हमेशा रहा कि तरकश अनवरत जारी रहे। इसका श्रेय छत्तीसगढ़ के सुधि पाठकों के भरोसा और जुड़ाव को जाता है। 2018 के पहले विरले कभी ब्रेक आया भी तो पाठकों के घनघनाते फोन और मैसेज ने प्रेरित किया कि कठिन हालातों में भी 'तरकश' कभी रुकना नहीं चाहिए। और वैसा ही हुआ। 2008 में तरकश प्रारंभ हुआ, उसके बाद चार विधानसभा चुनाव हुए। सरकारें बदली, सिस्टम बदला। मगर स्तंभ न रुका, न तेवर बदला...और न राग-द्वेष को कभी स्थान मिला। बहरहाल, किसी एक अखबार में किसी कॉलम की 17 बरस की यात्रा बहुत अधिक नहीं, तो कम भी नहीं कही जा सकती। इसके लिए हरिभूमि पत्र और उसके प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को आभार, जिन्होंने विश्वासपूर्वक अपना प्लेटफार्म उपलब्ध कराया...आभार छत्तीसगढ़ के लाखों पाठकों का भी...जिनकी बदौलत तरकश का सफर अविराम जारी है।

आखिरी कप्तान, आखिरी आईजी

रायपुर जिला अंग्रेजी शासन काल के पहले अस्तित्व में आ गया था। कलेक्ट्रेट से लगा रायपुर का टाउन हॉल का निर्माण 1860 में हुआ। उससे पहले रायपुर में एसपी बैठने लगे थे। इसके बाद पिछले तीन-चार दशक की बात करें तो मध्यप्रदेश के दौर में रायपुर में विजय रमण से लेकर सीपीजी उन्नी, रुस्तम सिंह, सरबजीत सिंह जैसे एसपी रहे तो छत्तीसगढ़ बनने के बाद डीएम अवस्थी, अशोक जुनेजा कप्तान बने, जो बाद में डीजीपी तक पहुंचे। इस समय रायपुर जिला पुलिस के लिए खुशी का पल है तो इमोशनल होने का भी। रायपुर जिला पुलिस अब कमिश्नरेट में तब्दील होने जा रहा है। शायद एक नवंबर से रायपुर में पुलिस कमिश्नर बैठने लगेंगे। खुशी इसलिए कि रायपुर पुलिस का रुतबा बढ़ने वाला है और इमोशनल उन यादों को लेकर कि जिला पुलिस और एसपी अब अतीत की बात हो जाएगी। जाहिर है, डॉ0 लाल उमेद सिंह रायपुर जिले के आखिरी पुलिस कप्तान होंगे। अगले महीने 31 अक्टूबर के बाद यह पद समाप्त हो जाएगा। हालांकि, रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा भी आखिरी आईजी होंगे। रायपुर पुलिस रेंज भी अब खतम हो जाएगा। उसकी जगह रायपुर ग्रामीण या फिर महासमुंद रेंज हो सकता है।

चीफ सिकरेट्री और संयोग-1

चीफ सिकरेट्री के रिटायर होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह स्तंभ प्रकाशित होने के बाद अमिताभ जैन के एक्सटेंशन समाप्त होने में सिर्फ 14 दिन बच जाएंगे। अगला चीफ सिकरेट्री कौन बनेगा? इस यक्ष प्रश्न का जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। हैं तो सिर्फ अटकलें और संभावनाएं। ये अवश्य है कि 94 बैच की एडिशनल चीफ सिकरेट्री ऋचा शर्मा अब मजबूत दावेदार के तौर पर उभर रही हैं। ऋचा का नाम पहले नहीं था। मगर मंत्रालय के गलियारों में उनकी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, होना सब कुछ दिल्ली से है मगर ऋचा के नाम पर अगर मुहर लगी तो वे छत्तीसगढ़ की चौथी लोकल चीफ सिकरेट्री होंगी। सबसे पहले फरवरी 2014 में विवेक ढांड को मुख्य सचिव बनने का मौका मिला था। उनके बाद जनवरी 2018 में अजय सिंह आए, वे बिलासपुर के थे। और नवंबर 2020 में अमिताभ जैन सीएस बने, वे भी लोकल हैं। अब अगर ऋचा को मौका मिला, तो यह संख्या चार हो जाएंगी। बता दें, ऋचा छत्तीसगढ़ के जांजगीर जिले की रहने वाली हैं, उनके पिता रायपुर में जेलर रहे।

चीफ सिकरेट्री और संयोग-2

चीफ सिकरेट्री की दौड़ में 94 बैच के मनोज पिंगुआ का नाम भी शामिल हैं। दावा है कि 30 जून को पावर हाउस से अगर फोन नहीं आया होता तो मनोज मुख्य सचिव बन गए होते। मनोज अगर चीफ सिकरेट्री बनेंगे तो तीसरे मेरिटोरियस स्टूडेंट होंगे, जो सूबे की सबसे बड़ी प्रशासनिक कुर्सी तक पहुंचेंगे। पड़ोसी राज्य झारखंड के रहने वाले मनोज बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आ चुके हैं। रांची के नामी आवासीय विद्यालय नेतरहाट से उन्होंने अपनी स्कूलिंग की है। उनसे पहले अजय सिंह और अमिताभ जैन भी मेरिटोरियस स्टूडेंट रहे हैं। खैर, संयोग तो सुब्रत साहू के साथ भी बनेगा। दूसरे नंबर के सबसे सीनियर आईएएस अधिकारी सुब्रत के पिता ओडिसा के चीफ सिकरेट्री रहे हैं। अगर सुब्रत को अवसर मिलेगा तो फिर चीफ सिकरेट्री का बेटा चीफ सिकरेट्री बनेगा। यहां अमिताभ जैन के बाद सबसे सीनियर आईएएस रेणु पिल्ले की चर्चा भी लाजिमी है। रेणु पिल्ले के पिता आंध्रप्रदेश के बड़े तेज तर्रार आईएएस थे। अगर रेणु का नंबर लगा तो आईएएस की बेटी बनेंगी मुख्य सचिव। अमिताभ जैन के बाद रेणु पिल्ले छत्तीसगढ़ की सबसे सीनियर आईएएस अधिकारी होंगी।

रेखाओं का खेल

चीफ सिकरेट्री के लिए वैसे तो नाम आधा दर्जन आईएएस अधिकारियों के चल रहे हैं। मगर एडीबी में मनीला में पोस्टेड विकास शील और भारत सरकार में कार्यरत अमित अग्रवाल का नाम अटकलों में इस समय उपर चल रहे हैं। दोनों छत्तीसगढ़ कैडर के अधिकारी हैं। विकास शील 94 बैच के आईएएस हैं। सीएस बनाने से पहले उन्हें मनीला से वापिस बुलाना होगा। वैसे 93 बैच के आईएएस अमित अग्रवाल अगर छत्तीसगढ़ आएं तो 94 बैच डिस्टर्ब नहीं होगा। फिर एसीएस लेवल पर चेंज की जरूरत नहीं पड़ेगी। मगर मिलियन डॉलर का सवाल है, डीएस मिश्रा, एमके राउत, सीके खेतान सीएस नहीं बन पाए और अशोक विजयवर्गीय, सुनील कुजूर को मौका मिल गया। जाहिर है, सीएस और डीजीपी बनने के लिए रेखाओं का खेल बड़ा होता है। जिसके हाथ में किस्मत की लकीरें चकमदार और गुरू प्रबल होगा, उसको कोई रोक नहीं पाएगा।

मंत्री कमजोर क्यों?

राजकाज के मामले में छत्तीसगढ़ के मंत्रियों का पारफर्मेंस कैसा है, इसकी रिपोर्ट सरकार के पास होगी। मगर राजनीतिक तौर पर मंत्रियों की बैकफुट वाली स्थिति सियासी पंडितों को हैरान कर रही है। एक तो विष्णुदेव कैबिनेट नए मंत्रियों से भरा हुआ है। बोलने-बालने में दो-एक फायर ब्रांड मंत्री थे या आगे बढ़कर खेलने वाले...वे आश्चर्यजनक तौर पर खुद को समेट लिए हैं। बाकी को कहां क्या हो रहा, इससे कोई वास्ता नहीं। विपक्ष के हमलों का बीजेपी को सत्ताधारी पार्टी की तरह जवाब देना चाहिए, वो सिरे से नदारत है। उल्टे डेढ़ साल पहले 72 सीट से आधे पर आ गई कांग्रेस पार्टी का इतना जल्द उठ खड़े होना बीजेपी के रणनीतिकारों के माथे पर बल डाल रहा है। कुल मिलाकर आशय यह है कि सत्ताधारी पार्टी में वो औरा और कांफिडेंस नहीं दिखाई पड़ रहा, जिसकी आम आदमी उम्मीद कर रहा है। काम होना, न होना अलग बात है। सत्ता खेमे का इकबाल तो दिखना चाहिए। इसके लिए मंत्रियों और नेताओं को एक्स्ट्रा बुस्टप देने की जरूरत है।

नए पुलिस रेंज का नाम?

रायपुर में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने के बाद महासमुंद, धमतरी, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले के लिए एक अन्य पुलिस रेंज का गठन किया जाएगा। पिछली सरकार के समय रायपुर ग्रामीण रेंज बनाया गया था। डॉ0 आनंद छाबड़ा और अजय यादव खुफिया चीफ के साथ सिर्फ रायपुर जिले वाले रेंज के आईजी थे। उससे पहले रमन सरकार के दौरान मुकेश गुप्ता रायपुर के सिंगल जिले वाले रेंज के आईजी रहे। पिछली सरकार में धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार जिले के लिए शेख आरिफ को आईजी बनाया गया था। इसी तरह अब पुलिस कमिश्नर सिस्टम प्रभावशील होने के बाद रायपुर पुलिस रेंज का अस्तित्व हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। चार जिलों का पुलिस रेंज सरकार किस नाम से बनाएगी, इसका अभी संकेत नहीं मिला है। मगर सबसे उपयुक्त महासमुंद होगा। महासमुंद में अगर रेंज बनेगा तो फिर वहां से धमतरी, गरियाबंद और बलौदा बाजार को कंट्रोल करना आसान होगा। रायपुर से लगा होने की वजह से आईपीएस अधिकारियों में महासमुंद को लेकर क्रेज भी रहेगा।

पुलिस कमिश्नर कमेटी और विरोधाभास

छत्तीसगढ़ के वीवीआईपी जिला जशपुर के साथ टॉप के तीनों जिलों रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में स्टेट कैडर से प्रमोटेड आईपीएस एसएसपी हैं। बड़े जिलों की बात करें तो बस्तर, सरगुजा, रायगढ़ और कोरबा में ही डायरेक्ट आईपीएस को एसपी बनाया गया है। मगर ए केटेगरी के तीन जिलों में से एक में भी डायरेक्ट आईपीएस नहीं हैं। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मानते हैं कि स्टेट में आरआर वाले आईपीएस ने अपने आप को बुरी कदर डिरेल्ड कर लिया है...इम्पॉर्टेंट जिलों में पोलिसिंग के लिए स्टेट वाले इन तीन-चार अफसरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। मगर पुलिस कमिश्नर सिस्टम के लिए कमेटी बनी तो उसमें स्टेट पुलिस वाले एक को भी शामिल नहीं किया गया। सातों के सातों डायरेक्ट आईपीएस। जबकि, बेसिक पोलिसिंग की बातें आती हैं, उसमें स्टेट वालों का तजुर्बा आरआर वाले भी मानते हैं। तो क्या स्टेट वाले आईपीएस की पोलिसिंग पर भरोसा है मगर उनके ज्ञान पर नहीं? यह सवाल तो उठता ही है।

बीजेपी-कांग्रेस भाई-भाई

बिलासपुर की पॉलीटिक्स गजबे की है। पार्टी भले ही अलग-अलग, मगर काम और चाल दोनों लगभग बराबर। वहां कांग्रेस की सरकार आती है तो बीजेपी वालों को कोई दिक्कत नहीं होती और बीजेपी की सरकार आती है तो कांग्रेस वाले मस्त रहते हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में एक विधायकजी के नेतृत्व में थाने में अपनी ही सरकार के मुखिया का मुर्दाबाद का नारे लगवा दिए गए तो बीजेपी सरकार में बीजेपी से जुड़े लोग झंडा लेकर इस हफ्ते एसएसपी के ऑफिस में हंगामा मचा आए। सत्ताधारी पार्टी को इतना तो पता होना ही चाहिए कि जिले का कलेक्टर, एसपी मुख्यमंत्री का प्रतिनिधि होता है। बड़े नेताओं और मंत्रियों को कैडर के लिए रिफ्रेशर कोर्स चलाते रहना चाहिए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. बलौदा बाजार कांड में कलेक्टर को क्लीन चिट देकर डीई खतम कर दी गई तो फिर सीएस अमिताभ जैन के लिखने के बाद भी एसपी को क्यों नहीं?

2. क्या ये सही है कि छत्तीसगढ़ का सीएस बनाने के लिए आईएएस विकास शील को मनीला से वापिस बुलाने भारत सरकार ने पत्र मेल कर दिया है?

प्रथम पृष्ठ का शेष

नमस्ते, चाचा, छी-छी...

संवाद का हिस्सा हैं। नीचे दी गई तालिका में हिंदी मूल के ऐसे शब्दों की एक व्यापक सूची है, जो ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में अपनाए गए हैं।

अमेरिका में...

स्पेनिश के बाद पैठ जमा रहा हिंदी- हाईस्कूल और हायरसेकंडरी के लिए अमेरिका द्वारा तैयार किए गए सिलेबस के मुबातिक, छात्रों को इंग्लिश के अलावा एक विदेशी भाषा का चुनाव अनिवार्य रूप से करना होता है। पहले छात्र केवल स्पेनिश अथवा फ्रेंच भाषा का ही चुनाव करते थे, लेकिन अब विदेशी मूल के अमेरिकी छात्र हिंदी का भी चुनाव कर रहे हैं। पहले अमेरिका के कुछ ही राज्य में विदेशी भाषा के रूप में हिंदी का विकल्प छात्रों को दिया जाता था, लेकिन अब धीरे-धीरे कई राज्यों में हिंदी का विकल्प विदेशी भाषा के रूप दिया जाने लगा है। इनके अतिरिक्त अमेरिका जा बसे भारतीय मूल के नागरिकों के बच्चे हिंदी का ही चुनाव विदेशी भाषा के रूप में कर रहे हैं।

ऑनलाइन कक्षाएं भी...

को आसानी से सीख सकें। हिंदी भाषा सीखने के इच्छुक व्यक्तियों के अलावा ऐसे छात्र जिन्होंने हाईस्कूल-हायरसेकंडरी में विदेशी भाषा के रूप में हिंदी का चुनाव किया है, उन्हें भी परीक्षा की तैयारी करवाते हैं। अनुवादक की परीक्षा में शामिल होने वाले अमेरिका के मूल निवासियों को भी अकेडमी की मदद से हिंदी सीखाई जा रही है।

इन देशों में हिंदी...

म्यांमार (बर्मा), सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड (पर्यटन और प्रवासी भारतीय), इंडोनेशिया (बॉलीवुड और प्रवासी प्रभाव), मॉरीशस (आधिकारिक रूप से हिंदी मान्यता प्राप्त), फ़िज़ी (फ़िज़ी हिंदी प्रचलित), दक्षिण अफ़्रीका, केन्या, युगांडा, तंज़ानिया,नाइजीरिया (भारतीय समुदाय के बीच), सूडान (सीमित स्तर पर प्रवासी भारतीय),त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना, सूरीनाम, जमैका (सीमित प्रवासी प्रभाव), यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड्स, इटली, स्पेन, पुर्तगाल, स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, स्वीडन, फ़िनलैंड, पोलैंड (इन सब जगहों पर मुख्य रूप से भारतीय प्रवासी), अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको (कुछ प्रवासी), ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड,

विश्व के 95...

हिंदी भाषा और साहित्य में आगे शोध के लिए कई विश्वविद्यालयों में पीएच.डी. प्रोग्राम भी उपलब्ध हैं। कुछ संस्थान हिंदी भाषा और संस्कृति को समझने के लिए एडवांस्ड सर्टिफिकेट और फेलोशिप प्रोग्राम भी चलाते हैं। अकेले अमरीका में 100 से अधिक विश्वविद्यालयों, कॉलेजों में हिंदी पढ़ाई जाती है। आज अपनी हिंदी मॉरीशस, फिजी, अमेरिका, जापान, इटली, नेपाल, श्रीलंका, रूस, चीन, नार्वे, फिनलैंड, हंगरी, दक्षिण अफ्रीका, सूरीनाम, पाकिस्तान और कई अफ्रीकी देशों के विद्यार्थियों तक पहुंच चुकी है। यहां हिंदी में पठन-पाठन हो रहा है। इसी कारण सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को समेट हिंदी अब विश्व में लगातार अपना फैलाव कर रही है। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंटरनेट ने तो हिंदी के लिए नया आसमान मुहैया कराया है। अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में 2008 से प्रति वर्ष हिंदी में अंतर विश्वविद्यालय वाद -विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और नेपाल में भी हिन्दी बोली जाती है। लगभग 100 विश्वविद्यालयों में अलग से अध्यापन केंद्र खुले हुए हैं।

इन विश्वविद्यालयों हो...

में इन तीनों भाषाओं के बारें में विस्तार से बताया गया है। **शिकागो विश्वविद्यालय-** इस विश्वविद्यालय में डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एशियन लैंग्वेजेज एंड सिविलाइजेशन के तहत हिंदी में एक वर्षीय, दो वर्षीय, तीन वर्षीय तथा चार वर्षीय कोर्स चलाए जा रहे हैं। इनके अलावा यहां पर हिंदी साहित्य तथा कल्चर पर भी एडवांस्ड कोर्स संचालित किए जाते हैं जहां विद्यार्थी विस्तार से इस भाषा के बारे में जान सकते हैं। **वाशिंगटन विश्वविद्यालय-**अमरीका की टॉप यूनिवर्सिटीज में से एक वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ एशियन लैंग्वेजेज एंड लिटरेचर के अन्तर्गत दक्षिण एशियाई भाषाओं में कई कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। हिंदी भाषा में वहां पर स्नातक तथा स्नातकोत्तर दोनों ही कोर्सेज किए जा सकते हैं। हिंदी में वहां से बीए, एमए तथा पीएचडी कोर्स के लिए अप्लाई किया जा सकता है। **कॉर्नेल विश्वविद्यालय-** इस अमरीकी यूनिवर्सिटी में भी डिपार्टमेंट ऑफ एशियन स्टडीज के तहत हिंदी भाषा में तीन कोर्स चलाए जा रहे हैं। पहले लेवल का कोर्स शुरूआती कोर्स है जिसमें हिंदी का प्राथमिक ज्ञान दिया जाता है जबकि बाकी दो कोर्सेज एडवांस्ड लेवल के हैं। यहां पर हिंदी में फेलोशिप प्रोग्राम भी चलाया जा रहा है जिसमें गजलों से लेकर फिल्मों तक दक्षिण भारतीय संस्कृति के बारे में जाना जा सकता है। **टोक्यो यूनिवर्सिटी, जापान-** यह जापान का सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है और यह हिंदी भाषा के अध्ययन के लिए समर्पित विभागों में से एक है। 1909 से हिंदी शिक्षण की शुरुआत के साथ, टोक्यो विश्वविद्यालय हिंदी भाषा और साहित्य में गहरी रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। यह विश्वविद्यालय एम.फिल. और पी.एच.डी. के लिए एक संरचित पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जिससे छात्र हिंदी में गहन शोध कर सकते हैं और इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

इस तरह के...

10 भाषाओं में हिंदी शामिल है 6. ऑस्ट्रेलियन में नेशनल यूनिवर्सिटी, लट्रोब विवि, सिडनी विवि, मेलबोर्न विवि, मोनाश विवि, रॉयल मेलबोर्न इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सहित अन्य संस्थानों में हिंदी पठन-पाठन की व्यवस्था है 7. जापान के दो राष्ट्रीय विवि ओसाका और टोकियो में स्नातक और परास्नातक स्तर पर हिंदी की पढ़ाई की व्यवस्था है

एक करोड़ की...

सुजाता के समर्पण को नक्सल संगठन के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। वहीं सूत्रों की माने तो सुजाता स्वास्थ्य संबंधी कारणों से तेलंगाना के कोठागुडेम क्षेत्र में इलाज के लिए आई थीं, जहां खूफिया जानकारी के आधार पर उसे पकड़ा गया। बहरहाल तेलगांना पुलिस ने प्रेसवार्ता में सुजाता के समर्पण करने की जानकारी दी। पिछले कुछ माह में तेलंगाना में कई नक्सली नेताओं ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें अगस्त 2025 में राचकोंडा पुलिस के समक्ष सरेंडर करने वाले काकारला सुनीता और चेन्नुरी हरीश। तेलंगाना सरकार की पुनर्वास योजनाओं ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पूर्व भी डीजीपी ने पहले भी बीमार नक्सली नेताओं से आत्मसमर्पण की अपील की थी, जिसमें चिकित्सा सुविधाएं और पुनर्वास का वादा किया गया था। **शीर्ष नेतृत्व का संगठन के भविष्य को लेकर डगमगाया विश्वास-** केंद्रीय समिति सदस्य सुजाता उर्फ कल्पना का आत्मसमर्पण दण्डकारण्य में माओवादी आंदोलन के लिए बड़ा झटका है। माओवादी नेतृत्व के पास हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के अलावा कोई और विकल्प नहीं। पुलिस, सुरक्षा बलों और समस्त एजेंसियों के समन्वित प्रयास तब तक जारी रहेंगे जब तक वामपंथी उग्रवाद का पूर्ण अंत नहीं हो जाता। लगातार समर्पण व मुठभेड़ में मारे जा रहे नक्सलियों से शीर्ष नेतृत्व का संगठन के भविष्य को लेकर विश्वास डगमगाने लगा है। सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

बस्तर में कई...

हमले में 76 जवान शहीद, वर्ष 2010 में गादीरास यात्री बस पर हमले में सुरक्षाबल के जवानों समेत 36 की मौत, वर्ष 2013 में झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस नेताओं समेत 32 की हत्या, वर्ष 2017 में चिंतागुफा में सुरक्षाबलों पर घात लगाकर किए गए हमले में 25 जवान शहीद, वर्ष 2020, कोरजागुड़ा सुकमा मुठभेड़ में 17 जवान शहीद, वर्ष 2021, टेकुलगुड़ेम बीजापुर में 21 जवान समेत 230 जवानों की शहादत व निर्दोष ग्रामीणों की मौत का सुजाता को जिम्मेदार माना जाता है। उसके खिलाफ बस्तर में 72 से अधिक मामले दर्ज है।

दो मुठभेड़ में मारे...

नम्बर एक के सदस्य थे। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के शव के अलावा भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक सामग्री भी बरामद किया है। गौरतलब है कि बीजापुर जिले के पश्चिमी बस्तर डिविजन में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर संयुक्त टीम को नक्सल अभियान में रवाना किया गया था। अभियान के दौरान नक्सलियों के साथ पहली मुठभेड़ 12 सितम्बर की सुबह लेन्ड्रा कोरचोली के जंगल में हुई। पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुककर गोलीबारी होती रही। जिसके बाद सुरक्षाबलों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल का आड़ लेकर भागने लगे। मुठभेड़स्थल की सर्चिंग में दो नक्सलियों का शव बरामद किया गया था। मारे गए नक्सलियों की शिनाख्त हिड़मा पोड़ियाम (34), निवासी बेडसेट इन्द्रावती क्षेत्र पदनाम पीपीसीएम कंपनी नम्बर दो व प्लाटून नम्बर एक का सदस्य तथा मुन्ना मड़कम (25), निवासी कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा पदनाम कंपनी नम्बर दो व प्लाटून नम्बर एक का सदस्य के रूप में की गई। दोनों पर 8-8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। वहीं 13 सितम्बर को दूसरी मुठभेड़ गंगालूर इलाके के काकेकोरमा के अनुवर्ती में सर्च ऑपरेशन के दौरान हुई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक वर्दीधारी नक्सली को मार गिराया। मारे गए नक्सली की शिनाख्त डीवीसीएम व पीएलजीए कम्पनी नम्बर दो के मेंबर अरूण मड़काम के रूप में की गई है, जिस पर 8 लाख रुपए का ईनाम घोषित था। **2024 से 13 सितम्बर 2025 तक 432 हार्डकोर माओवादी ढेर-** जनवरी 2024 से 13 सितम्बर 2025 तक कुल 432 हार्डकोर माओवादी मारे गए हैं। यह सफलता सुरक्षा रणनीति, साहसिक कार्रवाई और जनसमर्थन का प्रमाण है। हाल ही में गरियाबंद में केंद्रीय समिति सदस्य मोडेम बालकृष्ण उर्फ़ मनोज के मारे जाने और सुजाता उर्फ़ कल्पना के तेलगांना में समर्पण से संगठन को गहरा आघात पहुंचा है। नक्सलियों के खिलाफ पूर्ण संकल्प, शक्ति और समर्पण के लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक नक्सलवाद का समाप्त नहीं हो जाएगा। सुंदरराज पी, आईजी बस्तर

मिले हथियार व...

एवं माओवादी सामग्री भी बरामद किया है। एसपी बीजापुर जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि विश्वसनीय खूफिया जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

रायपुर में न्यूड...

राजनीतिक तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। सिनफुल राइटर1 की आईडी से इंस्टाग्राम में न्यूड पार्टी का पोस्टर जारी किया गया है। उस आईडी में 483 फॉलोवर्स हैं। सिनफुल राइटर नाम की आईडी में कुल 20 पोस्ट किए गए थे। आईडी शुक्रवार तक एक्टिव थी, दूसरे दिन से आईडी ओपन नहीं हो रही है। पुलिस की पड़ताल की भनक लगते ही आईडी को इंस्टाग्राम से ब्लाक कर दिया गया है। **युवाओं को लुभाने इस तरह के हथकंडे -** युवाओं को लुभाने इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। इंस्टाग्राम सहित अन्य प्लेटफार्म में कथित तौर पर 'न्यूड पार्टी', 'स्ट्रेंजर पार्टी', 'हाउस पूल पार्टी' जैसे आयोजन करने के पोस्टर वायरल किए जा रहे हैं। इन विज्ञापननुमा पोस्टर्स में पार्टी का समय और तारीख भी दर्ज है, जिसमें 21 सितंबर को रायपुर में आयोजन होने का दावा किया गया है। वायरल पोस्टर्स में शराब और ड्रग्स परोसे जाने के संकेत मिलने के बाद अब नग्नता के आकर्षण का लालच दिए जा रहे।

आयोजन को लेकर...

निपटने चेतावनी दी है। रामभक्त सेना के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम केवलानी ने ऐसे आयोजन करने वाले संस्थान में तोड़फोड़ करने की धमकी दी है।

मुख्यमंत्री की फटकार...

अड़ंगे के चलते पिछले 44 वर्षों में पूरा नहीं हो पाया है। मैनपुर क्षेत्र के किसानों ने सलफ जलाशय बांध के निर्माण के लिए कई लंबी लड़ाई लड़ी है। इस बांध निर्माण से मैनपुर क्षेत्र के लगभग 2000 हेक्टेयर जमीन में पानी की सिंचाई हो सकती है।

अचानक रोक दिया...

चुका है। जिसका मुआवजा भी सरकार दे चुकी है, फिर निर्माण कार्य के दौरान एकाएक इस बांध निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

मोदी बोले- शांति...

और मिलकर जाना है। इससे पहले चूड़ाचांदपुर के रिलीफ कैंप में रह रहे लोगों से मिलने के बाद पीएम मोदी ने मणिपुर की जनता से वादा किया कि भारत सरकार और वो खुद उनके साथ हैं। उन्होंने कहा, 'मणिपुर 'भारत माता' के मुकुट को सुशोभित करने वाला 'रत्न' है। यहां किसी भी प्रकार की हिंसा निंदनीय है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के साथ घोर अन्याय भी है। हमें मिलकर मणिपुर को शांति और विकास के पथ पर आगे ले जाना होगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ज़ख्मों पर मरहम लगाने और विश्वास बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेइती समुदाय के लोग इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि कुकी समुदाय आस-पास की पहाड़ियों पर रहता है।

मिजोरम की पहली...

परियोजना को मंजूरी साल 2008-09 में मिली थी। इसका निर्माण 2015 में शुरू हुआ था। इस रेल लाइन में 45 सुरंग, 55 बड़े पुल और 87 छोटे पुल हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सैरंग के पास स्थित पुल 114 मीटर ऊंचा है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार से भी ज्यादा है। यह देश का खंभे वाला सबसे ऊंचा पुल है। इस रेल मार्ग में पांच सड़क ओवरब्रिज और छह अंडरपास भी हैं। इस रेल मार्ग पर बैराबी के अलावा चार मुख्य स्टेशन- होरटोकी, कावनपुई, मुआलखांग और सैरंग पड़ते हैं। मिजोरम और देश के बाकी हिस्सों के बीच सीधे रेल संपर्क से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, कुशल व किफायती यात्रा विकल्प मिलेगा।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

शब्द पहेली - 5988

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे
1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरूर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली- 5987 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	य		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

सूडोकु नवताल- 5998

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5997 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में बढ़ा निवेश

■ इक्विटी फंड्स का नेट इनफ्लो 22% तक घटा ■ एएमएफआई ने अगस्त 2025 के आंकड़े जारी किए ■ अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा

बिजनेस डेस्क

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अगस्त 2025 के निवेश और रिडेम्पशन के लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं। ये आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के ताजा रुझानों की दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। अगस्त 2025 में निवेशकों ने जहां एक ओर इक्विटी फंड्स में लगातार पैसे डाले हैं, वहीं डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर पैसे निकाले गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा। कुल नेट इनफ्लो 33,430 करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई 2025 के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 22% कम है। हालांकि यह गिरावट दिखाती है कि निवेशक थोड़े सावधान हो गए हैं, लेकिन यह भी सच है कि यह लगातार 54वां महीना है जब इक्विटी फंड्स में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

फ्लेक्सी, मिड और लार्ज कैप में इनफ्लो बढ़ा

अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया। इस कैटेगरी में 7,679 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो जुलाई के 7,654.33 करोड़ रुपये के नेट-इनफ्लो के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। मिड कैप फंड्स में भी 5,330 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा, जबकि जुलाई में यह 5,182 करोड़ रुपये था। दिलचस्प बात यह रही कि लार्ज कैप फंड्स में 2,835 करोड़ रुपये का नेट निवेश आया, जो जुलाई के 2,125 करोड़ रुपये से 33% ज्यादा रहा। हालांकि, स्मॉल कैप फंड्स में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और इसमें नेट इनफ्लो जुलाई के 6,484 करोड़ रुपये से घटकर अगस्त में 4,993 करोड़ रुपये रह गया।

डेट फंड्स में निकासी का दबाव

अगस्त 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स ने बड़ा झटका खाया। कुल मिलाकर इस कैटेगरी से 7,980 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ। यह तब है जब जुलाई 2025 में इन्हीं फंड्स में 1.07 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ था। कई सब-कैटेगरी जैसे कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स, बैंकिंग एवं पीएसयू फंड्स और गिल्ट फंड्स से पैसे निकाले गए। इसका बड़ा कारण कॉर्पोरेट्स और संस्थागत निवेशकों की तरफ से मनी मार्केट और लिक्विड फंड्स से निकासी बताई जा रही है, जो आमतौर पर तिमाही खत्म होने के बाद होती है।

हाइब्रिड फंड्स का आकर्षण बरकरार

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का भरोसा जारी रहा। अगस्त में इसमें 15,294 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ। हालांकि यह जुलाई के 20,879 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन फिर भी इससे संकेत मिलता है कि निवेशक बैलेंस्ड और डायनेमिक स्ट्रेटजी वाले फंड्स को पसंद कर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ और इंडेक्स फंड्स रहे फेवरिट

गोल्ड ईटीएफ अगस्त में निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर रहे. इनमें 2,190 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया, जो जुलाई के 1,256 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 74% ज्यादा है. इससे यह भी पता चलता है कि सोने की कीमतों में लगातार मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा चुनौतियों के कारण निवेशक गोल्ड को सुरक्षित ऑप्शन मान रहे हैं। इंडेक्स फंड्स और अन्य ईटीएफ का आकर्षण भी बरकरार है। अगस्त में इंडेक्स फंड्स का एयूएम करीब 3.04 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 1,503 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य ईटीएफ का एयूएम करीब 8.42 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 7,244 करोड़ रुपये रहा।

एनएफओ कलेक्शन में भारी गिरावट

जुलाई में म्यूचुअल फंड्स की 30 नई स्कीम्स या न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च हुए थे और उनके जरिये 30,416 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। लेकिन अगस्त में एनएफओ की संख्या घटकर 23 और जुटाई गई रकम सिर्फ 2,859 करोड़ रुपये रह गई।

फोलियो नए रिकॉर्ड पर, कुल एयूएम घटा

इंडस्ट्री का कुल एयूएम अगस्त में 75.19 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई के 75.36 लाख करोड़ रुपये से मामूली रूप से कम है, लेकिन इस दौरान फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 24.89 करोड़ हो गई। जुलाई में यह संख्या 24.57 करोड़ थी। यानी निवेशकों के लगभग 32 लाख नए खाते जुड़े, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशक लगातार इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहे हैं। अगस्त 2025 का महीना इस लिहाज से अहम रहा कि इक्विटी फंड्स में पैसे आते रहे, लेकिन रफ्तार धीमी हुई। फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में निवेशकों का भरोसा दिखा, जबकि स्मॉल कैप में सावधानी दिखी। दूसरी ओर, डेट फंड्स ने करारा झटका खाया. हाइब्रिड फंड्स और गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को आकर्षित करते रहे।

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड सबसे बेहतर

सात फंड ऐसे हैं, जिनमें 20% सालाना से अधिक रिटर्न निवेशको को मिला

इन फंड्स को खरीदने वाले निवेशक भी मालामाल, जमकर किया निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें

●

बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को पहचान लें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.57% (31 अगस्त, 2025)

इन्वेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.39% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,39,594 रुपये (6.40 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 8,063 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (31 अगस्त, 2025)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.30% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,34,828 रुपये (6.35 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 35562.96 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.73% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.25% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,32,195 रुपये (6.32 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 28,758 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड:** ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **मिड-कैप फंड:** ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. **स्मॉल-कैप फंड:** ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. **सेक्टोरल फंड:** ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. **लिक्विडिटी:** इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इक्विटी फंड के जोखिम

1. **बाजार जोखिम:** इक्विटी फंड शेयर बाजार में निवेश करते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के कारण जोखिम भरा हो सकता है।
2. **कंपनी-विशिष्ट जोखिम:** इक्विटी फंड विशिष्ट कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो कंपनी-विशिष्ट जोखिमों के अधीन हो सकते हैं।
3. **इक्विटी फंड:** निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं

वनस्थली विद्यापीठ में प्रथम अखिल महिला एलएलएम कार्यक्रम

टोंक (राजस्थान)। आज विधि अध्ययन विभाग बनस्थली विद्यापीठ ने फोरेंसिक साइंस कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन के दौरान फोरेंसिक में भारत की पहली अखिल महिला एलएलएम की शुरुआत की घोषणा की। इस दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम में देशभर से आए प्रख्यात फॉरेंसिक वैज्ञानिकों, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और छात्राये एक साथ आए। इस फॉरेंसिक संगोष्ठी ने न्याय प्रणाली को सशक्त बनाने तथा विधिक प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगोष्ठी की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। उद्घाटन समारोह में प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, कुलपति, वनस्थली विद्यापीठ ने उपस्थित होकर भारत भर से आए सभी 225 अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और फोरेंसिक तथा आपराधिक कानूनों में नेतृत्वकारी भूमिकाओं के लिए महिलाओं को तैयार करने के प्रति आशा व्यक्त की। प्रोफेसर हर्ष पुरोहित, डीन, विधि संकाय ने संगोष्ठी के विशेषज्ञों का प्रारंभिक परिचय प्रस्तुत किया। दो दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित विशेषज्ञों में डॉ. हर्ष शर्मा (पूर्व निदेशक, एफ.एस.एल. यूपी), प्रो. आदर्श कुमार (निदेशक, एफ.एस.एल, यूपी), और प्रो. अनुपम जोहरी (एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर) शामिल थे। संगोष्ठी के पहले दिन क्राइम सीन इन्वेस्टिगेशन, फॉरेंसिक मॉडल और फॉरेंसिक साक्ष्य पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। छात्राओ ने सभी आयोजनों में उत्कृष्ट ऊर्जा, नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया। डॉ. हर्ष शर्मा ने फॉरेंसिक विशेषज्ञता को कानूनी प्रक्रियाओं में एकीकृत करने पर व्याख्यान दिया, जबकि प्रो. आदर्श कुमार ने अपने व्याख्यान में फॉरेंसिक साक्ष्य के महत्व और न्याय प्रणाली में उनके योगदान पर वास्तविक जीवन के उदाहरणों की मदद से प्रकाश डाला। दिन का समापन परस्पर संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, इस अवसर पर कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. ऋतुजा शर्मा (सह प्राध्यापक) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। विधि संकाय वनस्थली विद्यापीठ के छात्राओ ने कार्यक्रम के आयोजन और प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा एलएलएम फोरेंसिक साइंस कार्यक्रम के शुभारंभ पर बहुत प्रसन्ता व्यक्त की।

वी-मार्ट ने एक्सक्लूसिव फेस्टिव कलेक्शन पेश किया

बिलासपुर। देश भर में 500 से ज्यादा स्टोर्स के साथ भारत का अग्रणी वैल्यू रिटेलर, वी-मार्ट, बिलासपुर में अपने नए खुले स्टोर - छत्तीसगढ़ के एकमात्र वी-मार्ट स्टोर - में अपने एक्सक्लूसिव फेस्टिव फ्रैशन कलेक्शन के लॉन्च की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित है। आज के स्टाइल के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया, यह कलेक्शन परंपरा, ट्रेंड और आराम का एक नया मिश्रण पेश करता है, जो हर तरह के उत्सव के लिए एकदम सही है - पारिवारिक समारोहों से लेकर ऊर्जावान पंडाल में घूमने तक। यह नया कलेक्शन पूजा की भावना को दर्शाता है, जिसमें समृद्ध सांस्कृतिक वाइब्स को आधुनिक स्टाइल के साथ मिलाया गया है।

फ्रैशन पसंद महिलाओं के लिए, इस कलेक्शन में प्रिंसेस कट्स, ए-लाइन स्टाइल और गैदरिंग डिजाइन वाले कुर्ते शामिल हैं - सभी पॉकेट के साथ। पुष्प प्रिंट के साथ को-ऑर्ड सेट, अलंकृत मैचिंग सेट, विभिन्न प्रिंटेड पैंट या सॉलिड बॉटम्स के साथ प्रिंटेड कुर्ते, मैचिंग पैंट के साथ स्लीवलेस वेस्टकोट और ट्यूनिक्स देखें - ये सभी उन लोगों के लिए डिजाइन किए गए हैं जो आधुनिक एज के साथ एथनिक आकर्षण को जोड़ना पसंद करते हैं। पुरुषों के लिए, क्लासिक कुर्ते से लेकर प्रिंटेड पोलो और जॉनी कॉलर टी-शर्ट, चेक और पार्टी वियर शर्ट, आरामदायक डेनिम, स्टाइलिश बकल वाली 4-वे स्ट्रेच चिनोज, ट्रेंडी ट्रैवलर पैंट, 6/8 पॉकेट वाले कार्गो और सभी मौसम के लिए उपयुक्त जैकेट तक, हर पूजा योजना के लिए एकदम सही विकल्प मौजूद हैं और बच्चों के लिए यह सब मस्ती, रंग और चंचलता से भरपूर है, ऐसे आउटफिट्स के साथ जो उन्हें स्टाइल और आराम से जश्न मनाने का मौका देते हैं। नवीनतम फैशन परिधानों के अलावा, ग्राहकों को बिलासपुर स्टोर में किराना और घरेलू जरूरतों की एक विविध रेंज मिलेगी, जो इसे सभी त्योहारों की जरूरी चीजों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग डेस्टिनेशन बनाती है।

अदाणी सोलर का चैनल पार्टनर बना श्री शंकर मशीनरी स्टोर्स

रायपुर। राजधानी रायपुर में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अदाणी सोलर और श्री शंकर मशीनरी स्टोर्स के संयुक्त तत्वावधान में होटल सायाजी में एक भव्य चैनल पार्टनर अनाउंसमेंट, प्रोडक्ट लांच एवं पार्टनर मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अदाणी सोलर ने श्री शंकर मशीनरी स्टोर्स को छत्तीसगढ़ के लिए अपना आधिकारिक चैनल पार्टनर घोषित किया।

कार्यक्रम में रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राजेश सिंह राणा, भीम सिंह कंवर तथा नागार्जुन बिंबिसार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। श्री शंकर मशीनरी स्टोर्स के सीएमडी संतोष मिश्रा एवं एमडी आकाश मिश्रा ने आयोजन को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। उनकी कंपनी पहले से ही छत्तीसगढ़ में रूफटॉप और मेगावाट स्तर की सौर परियोजनाओं में सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। इस नई भागीदारी का उद्देश्य राज्य के ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में सस्ती और सुलभ सौर ऊर्जा पहुंचाना है, जहां आज भी पारंपरिक बिजली आपूर्ति एक चुनौती है। इस भव्य इवेंट में प्रदेशभर से आए सैकड़ों सोलर उद्यमियों, वितरकों व डीलरों की उपस्थिति रही।

शादी के 10 सालों के बाद मिला संतान सुख : माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

बिलासपुर। माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर, अग्रसेन चौक, टेलीफोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर से एक दंपति को शादी के 10 साल के बाद माता-पिता बनने का सपना साकार हुआ। डॉ माखीजा के अनुसार उनकी शादी को 10 साल पूरे हो चुके थे और महिला का मासिक धर्म अनियमित हो चुका था। डॉ माखीजा ने उनकी मासिक धर्म को ठीक करने के लिए दवाइयों के साथ -साथ लेप्रो-हिस्ट्रोस्कोपी कराने की सलाह दी। डॉ. ने उनकी सहमती लेकर लेप्रो- हिस्ट्रोस्कोपी किया, डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उनकी अंडाशस में सिस्ट होने के वजह से उनका मासिक धर्म अनियमित था व अंडों का निर्माण नही हो रहा था साथ ही यह भी बताया कि उनकी गर्भाशय की लाइनिंग ठीक नहीं है। उन्हें गर्भाशय की लाइनिंग ठीक करने के लिए दवाइयां दी गई। तथा डॉक्टर ने उन्हें आईवीएफ कराने की सलाह दी। दंपत्ती की सहमति लेकर डॉक्टर ने आईवीएफ की प्रक्रिया चालू किया। लगभग 15 दिनों के बाद डॉक्टर ने उन्हें दोबारा जांच के लिए बुलाया, जांच में महिला का IVF सफल पाया गया। वह गर्भ धारण कर चुकी थी। दोनों दंपत्ती बहुत खुश थे क्योंकि उन्हें यह खुशी उनके जीवन में पहली बार और शादी के 10 सालों के बाद मिली थी। वह लगातार डॉक्टर के संपर्क में रहे। आज उन्हें एक स्वस्थ बच्चे के माता-पिता बनने का सुख मिला। अधिक जानकारी के लिए 8085758585 पर संपर्क करें।

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश, आठ गुणा तक बढ़ा पैसा

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी।

कोई भी लोन लेने से पहले फायदे और नुकसान को जान लें

फिक्स्ड, फ्लोटिंग या फिर हाइब्रिड होम लोन के लिए कौन-सी ब्याज दर बेहतर, फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते जब ब्याज दरें बढ़ रही हों

तैयारी

बिजनेस डेस्क

जब लोन पर घर खरीदने जार रहे हों तो एक बार बैंकों की ब्याज दरों को जांच लें। किसी जानकारी से सलाह ले लें। इससे आपको परेशानी नहीं होगी और आसानी से घर खरीद सकेंगे। अक्सर जब लोग घर खरीदने के लिए होम लोन लेते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि किस तरह का इंटरेस्ट रेट चुना जाए। फिक्स्ड, फ्लोटिंग और हाइब्रिड तीनों विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं। सही चुनाव करने से आपकी ईएमआई और लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए इस सवाल का जवाब लोन लेने से पहले ही जान लेंगे तो आसानी रहेगी।

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट लोन

- फिक्स्ड रेट में आपकी ईएमआई पूरी लोन अवधि या शुरुआती कुछ साल तक एक जैसी रहती है। इसका फायदा यह है कि ब्याज दरें बढ़ने पर भी आपकी ईएमआई नहीं बढ़लती। इससे आपको हर महीने का खर्च आसानी से मैनेज करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका नुकसान यह है कि अगर ब्याज दरें घट जाएं तो इसका फायदा आपको नहीं मिलेगा। साथ ही, शुरुआती दरें भी अक्सर फ्लोटिंग से ज्यादा होती हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए बेहतर है, जिन्हें स्थिरता चाहिए और ईएमआई में उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।

फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट लोन

- फ्लोटिंग रेट आरबीआई की नीतियों और मार्केट की परिस्थितियों के हिसाब से बदलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्याज दर घटने पर ईएमआई कम हो जाती है। इससे लंबे समय में यह फिक्स्ड से सस्ता साबित हो सकता है। होम लोन लेने वाले ज्यादातर लोग यही विकल्प चुनते हैं। मार्केट की स्थिति अर्थव्यवस्था में महंगाई और ब्याज दरों की दिशा होम लोन पर सीधा असर डालती है। जब महंगाई बढ़ती है तो बैंक ब्याज दरें ऊपर कर देते हैं ताकि जोखिम कम हो। वहीं स्थिर बाजार में ब्याज दरें अक्सर सस्ती हो जाती हैं। इसलिए टाइमिंग भी अहम फैक्टर है। लेकिन, फ्लोटिंग रेट की अपनी खामियां हैं। अगर ब्याज दर बढ़ जाएं तो **EMI** भी बढ़ जाती है। यह आपका पूरा बजट भी बिगाड़ सकती है। यह विकल्प उन लोगों के लिए ज्यादा सही रहता है, जो लंबे समय तक लोन लेने वाले हैं और ईएमआई में उतार-चढ़ाव सह सकते हैं।

हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट लोन

- हाइब्रिड लोन में शुरुआती कुछ सालों तक ईएमआई फिक्स्ड रहती है और उसके बाद यह फ्लोटिंग में बदल जाती है। इस तरह पहले कुछ सालों तक स्थिरता मिलती है और बाद में मार्केट के हिसाब से ब्याज दरें घटने पर फायदा हो सकता है। हालांकि शुरुआती दरें फ्लोटिंग से थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं और अगर बाद में ब्याज दरें बढ़ जाएं तो ईएमआई भी बढ़ेगी। यह विकल्प उन लोगों के लिए सही है जो शुरुआत में ईएमआई स्थिर रखना चाहते हैं और आगे चलकर रिस्क लेने को तैयार हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

जानकारों का कहना है कि फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते हैं जब ब्याज दरें बढ़ रही हों। ये उन लोगों के लिए ठीक हैं जिन्हें स्थिरता चाहिए या लगता है कि दरें आगे और बढ़ेंगी। वहीं, फ्लोटिंग रेट घटती ब्याज दर वाले माहौल में सही रहते हैं। हाइब्रिड होम लोन उन लोगों के लिए होते हैं जो शुरू में कुछ साल तक निश्चित ईएमआई चाहते हैं, लेकिन आगे चलकर बाजार के हिसाब से ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहते हैं।लोन की अवधि का असर लोन का टेन्योर जितना लंबा होगा, कुल ब्याज का बोझ उतना ज्यादा होगा। छोटी अवधि का लोन लेने पर ईएमआई थोड़ी बड़ी होगी लेकिन ब्याज की बचत काफी होगी। इसलिए अपनी क्षमता के हिसाब से संतुलित अवधि चुनना बेहतर रहता है।

लोन लेने की लागत स्थिर

अभी की स्थिति देखें तो लोन लेने की लागत स्थिर हो रही है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में हालिया कटौतियों से ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है। इस समय फ्लोटिंग रेट होम लोन की ब्याज दर अपेक्षाकृत कम हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो कुल ब्याज खर्च घटाना चाहते हैं।'होमबायर्स को आखिरी फैसला लेने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करना चाहिए। जैसे कि अभी अलग-अलग लोन ऑप्शन पर ब्याज दर में कितना फर्क है और लोन अवधि कितनी लंबी है। अगर लोन लंबे समय के लिए है तो फ्लोटिंग रेट से फायदा हो सकता है, क्योंकि आगे चलकर अगर दरें घटती हैं तो कुल ब्याज का बोझ कम होगा।

ऐसे कर सकते हैं प्लानिंग

- 1. **वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन** : अपनी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करें और देखें कि आप कितना होम लोन ले सकते हैं। अपनी आय, व्यय, और बचत को ध्यान में रखें।
- 2. **होम लोन की आवश्यकता** : अपने होम लोन की आवश्यकता को निर्धारित करें। आपको कितनी राशि की आवश्यकता है? आप कितने समय में लोन चुकाना चाहते हैं?
- 3. **ब्याज दरें और शर्तें** : विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दरें और शर्तें तुलना करें। सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 4. **लोन की अवधि** : लोन की अवधि का चयन करें जो आपकी वित्तीय स्थिति के अनुसार उपयुक्त हो। लंबी अवधि के लोन में मासिक किस्त कम होती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक होता है।
- 5. **प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क** : प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को ध्यान में रखें। ये शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं।
- 6. **क्रेडिट स्कोर** : अपने क्रेडिट स्कोर को जांचें और सुनिश्चित करें कि यह अच्छा है। एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर ब्याज दरों और शर्तों के लिए योग्य बना सकता है।
- 7. **विकल्पों की तुलना** : विभिन्न होम लोन विकल्पों की तुलना करें और सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- 8. **वित्तीय सलाहकार से परामर्श** : यदि आवश्यक हो, तो वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें। वे आपको होम लोन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं और आपको सबसे अच्छा विकल्प चुनने में मदद कर सकते हैं।

अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की तलाश में रहते हैं निवेशक

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इन्हें निवेश करना चाहते हैं तो यह रिपोर्ट आपके लिए बेहतर हो सकती है। देखने में आया है कि भारतीय निवेशक हमेशा सुरक्षित और ज्यादा रिटर्न देने वाले निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी अपनी एकमुश्त रकम को निवेश करना चाहते हैं और इसके लिए बेहतर ऑप्शन की तलाश में हैं एक बार जरूर देखें की आपके लिए पोस्ट ऑफिस की सकीम बेहतर रहेगी।

13- SEPT- K&C MAIN- Pg- 10 CLASSI_Layout 1 9/13/2025 11:59 PM Page 1

प्रदेश के मेडिकल कालेजों में नहीं होगी सीधी भर्ती हाईकोर्ट ने शासन की अधिसूचना को रद्द किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में अब सीधी भर्ती नहीं हो सकेगी। हाईकोर्ट ने चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 10 दिसंबर 2021 को जारी की गई अधिसूचना को रद्द कर दिया है। इसमें प्रोफेसर के खाली पदों को सीधी भर्ती से भरने के लिए एक बार की छूट दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि 2013 के नियमों के अनुसार प्रोफेसर के पद केवल पदोन्नति से ही भरे जाएंगे। एसोसिएट प्रोफेसर्स की याचिकाओं पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने यह फैसला सुनाया।

दरअसल, राज्य सरकार ने 10 दिसंबर 2021 को एक अधिसूचना जारी कर एकमुश्त (वन टाइम) छूट देते हुए प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती का रास्ता खोला था। इसका विरोध करते हुए राज्य भर के दर्जनों एसोसिएट प्रोफेसरों ने हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं लगाई थी। उनका तर्क था कि 2013 की भर्ती नियमावली में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रोफेसर पद पर भर्ती केवल प्रमोशन से होगी। इस मामले की सुनवाई के दौरान सरकार ने कोर्ट में कहा कि प्रदेश में नए मेडिकल कालेज खुलने और सीटें बढ़ने से बड़ी संख्या में प्रोफेसरों की जरूरत है। अभी 242 प्रोफेसरों और 396 एसोसिएट प्रोफेसरों के पद स्वीकृत हैं, जबकि योग्य प्रोफेसरों की संख्या बहुत कम है। ऐसे में तुरंत भर्ती नहीं की गई तो मेडिकल शिक्षा पर संकट आ सकता है और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की मान्यता भी खतरे में पड़ सकती है। इसी कारण विशेष परिस्थिति में डायरेक्ट भर्ती की छूट दी गई थी। राज्यपाल को नियमों में छूट देने का अधिकार है, यह अधिसूचना उसी के तहत जारी की गई थी।

<B>बाक्स<B>

डाक से भेज दिया नियुक्ति निरस्त करने का आदेश

बिलासपुर। बिलासपुर नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत 22 कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द कर दी गई है। इन कर्मचारियों को 10 जनवरी को उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने नियुक्ति आदेश सौंपा था। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार के अनुसार, शासन से स्वीकृति की प्रत्याशा में नियुक्ति आदेश जारी किया गया था। स्वीकृति नहीं मिलने के कारण इन कर्मचारियों का वेतन रुका हुआ था। अब इनकी नियुक्ति निरस्त कर प्लेसमेंट कर्मचारी के रूप में रुका हुआ वेतन दिया गया है। ये कर्मचारी 2018 से निगम में अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत हैं। इन्हें प्लेसमेंट कर्मचारी के रूप में केवल 8-9 हजार रुपए प्रति माह मिल रहे हैं। नियमित नियुक्ति होने पर इन्हें 22 हजार रुपए वेतन और पेंशन की सुविधा मिलती। 8 महीने तक वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। बच्चों की स्कूल फीस और घरेलू खर्चों के लिए उन्हें ब्याज पर पैसे लेने पड़े। निगम प्रशासन को कई बार आवेदन देने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। अंततः कर्मचारियों ने नियमित नियुक्ति और सेवा पुस्तिका संधारण की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids सुनाई मशीन • Dental/ दंत रोग • मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
94060-21769

जॉइंट्स पेन के लिए रामबाण तेल
Since-2000
S.M. OIL®
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
हर प्रकार के वात रोग, गठिया वात, लकवा, हाथ पांव, कमर, पीठ, जोड़ों का दर्द, जोड़ों का अकड़ना, सूजन, मोच, हड्डी फ्रैक्चर आदि में परम गुणकारी
Customer Care No. 9425296176

सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोथीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

हरिभूमि THE DIAGNOSTIC CARE
छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773

लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये।
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989,9300000702

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

20 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर
Lab Care DIAGNOSTICS COMPLETE PATHOLOGY SOLUTION
लैब केयर डायग्नोस्टिक्स
Mo.: 9826725383
पैथोलॉजी की सभी सेवायें उपलब्ध है।
50% डिस्काउंट के साथ उचित जाँच *
पता: सीएसआईडीसी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के सामने, दास स्वीट्स के पीछे, बचपन अस्पताल के पास, महादेव घाट रोड, रिंग रोड चौक, रायपुर, (छ.ग.)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें -
9303508130, 9302016344, 7909631282

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सीए ऑफिस में कार्य करने हेतु प्यून (चपरासी) की आवश्यकता है। ऑफिस टाइम सुबह 10बजे से रात 9बजे तक इच्छुक उम्मीदवार तुरन्त सम्पर्क करें- श्रीकांत वर्मा मार्ग बिलासपुर 9516793478 (38685)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में कार्य करने हेतु आफिस स्टाफ, सुपरवाइजर एवं लेबर कार्य फ्लैक्स माउंटिंग, LED वर्क हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- C-15, ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 6264550163, 7987948032 (38689)

आवश्यकता है- सुबह 6बजे से शाम 6बजे तक तीन टाइम शाकाहारी नाश्ता, भोजन बनाने हेतु 12वीं पास लड़की या महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- रामा लाइफ सिटी सकरी 9893081826, 7067124226 (38686)

आवश्यकता है- आफिस कार्य, मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी एक लड़का और बिलासपुर, आसपास के शहरों में ड्राइविंग हेतु 12वीं पास वेन्यू कार ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- रामा लाइफ सिटी सकरी 9893081826, 7067124226 (38687)

आवश्यकता है- ऑपरेशन थियेटर में कार्य हेतु अनुभवी BAMS, BHMS, MBBS डॉक्टर एवं ओटी टेक्नीशियन और BSc. नर्सिंग स्टाफ चाहिए सम्पर्क करें- शॉप नं.-2 अरपा काम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 98930 81826, 7067124226 (38688)

आवश्यकता है-घर के सारे काम के लिए एवं खाना बनाने वाली की आवश्यकता है (सुबह से शाम तक या रहकर भी) जानकार ही सम्पर्क करें- 9300901912 (38678)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट में कार्य करने के लिए साउथ इंडियन कुक, इंडियन कुक एवं वेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7987766988, 93402 29293 (38684)

आवश्यकता है-रियल स्टेट ऑफिस में ऑफिस कार्य एवं मार्केटिंग हेतु 18 से 23वर्ष की लड़कियां चाहिए योग्यता 12वीं से ग्रेजुएट वेतन 6000 से 12000 समय सुबह 10:30 से शाम 7:30 (lunch included) सम्पर्क स्वप्निल बिल्ड रियल स्टेट 93028 22476, 7415558455 (38646)

आवश्यकता है- (M/F) ग्राफिक डिजाइनर, वीडियो एडिटर, सेल्स मैनेजर, सेल्समैन, हेल्पर (समय 10-8) सैलरी 8000 से 15000 पता- Farmers Pride Organic Store नेचर सिटी गेट से 200 मीटर सकरी रोड उसलापुर 9179294949 (38690)

आवश्यकता है- केयर टेकर की आवश्यकता है 24घंटे बच्चों एवं घर की देखभाल के लिए महिला केयर टेकर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7974809122, 8319080140 (38691)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है पेमेन्ट भरपूर मात्रा में। सम्पर्क करें- नैतिक ट्रेडर्स अजीत होटल के सामने तेलीपारा बिलासपुर 9827689999 (38694)

आवश्यकता है- कवर्धा पेट्रोल पम्प में मैनेजर पद हेतु एक जिम्मेदार व्यक्ति चाहिए। वेतन 12000 रहने, खाने की सुविधा निशुल्क परिवार भी ले जा सकते हैं। नियुक्ति तत्काल होगी सम्पर्क करें- 99773 76056 (38695)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में होलसेल रिटेल में कार्य हेतु लड़कों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर, माल लाने लेजाने, ऑर्डर लेने और ड्राइवर (जो ऑटो गेयर वैगनआर गाड़ी चला सके) सम्पर्क करे 7869797088 8770939973 (38696)

आवश्यकता है-करगी रोड कोटा, मोहदा हेतु सुरक्षागार्ड चाहिए। योग्यता 8वीं से ग्रेजुएट उम्र 20 से 45वर्ष, वेतन 9500 से 10000 ड्यूटी 12घंटे, तीन फोटो आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 8109314893, 9329691533 (38683)

आवश्यकता है-बसन्त साड़ी सेन्टर में कार्य करने हेतु मैनेजर, HR, कैशियर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सुबह 11बजे बसन्त साड़ी सेन्टर सदर बाजार बिलासपुर 83052 84014 (38663)

आवश्यकता है-घर के सभी काम करने एवं रहने के लिए महिला की या फैमिली की आवश्यकता है। रहने की व्यवस्था है। सम्पर्क करें- चन्द्रा देवी शांति नगर, गौरव पथ, रिंग रोड नम्बर-2, बिलासपुर 9827405996 (38679)

आवश्यकता है-कपड़े शोरूम में सेल्समैन (वेतन 11000 से 13000) एवं हेल्पर कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिये (वेतन 7000 से 10000) सम्पर्क करें- 92382 47005 (फोन करने का समय 2बजे से शाम 5बजे) (38682)

आवश्यकता है- श्री गोविन्द इलेक्ट्रॉनिक्स रेलवे मार्केट बुधवारी बाजार बिलासपुर में दुकान में काम करने के लिए लड़की एवं लड़के की आवश्यकता है वेतन 5000 से 7000 महिना सम्पर्क करें- 8827409000 (38692)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़के सेल्समैन चाहिये वेतन 5000 से 10000 तक योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-हरीरामानी एण्ड सन्स शाप नं.-37 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940, 07752409903 (38620)

आवश्यकता है-स्पा में टेलीकालिंग हेतु टेलीकॉलर एवं स्पा मैनेजर लड़का, लडड़की की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सनराइज स्पा व्यापार विहार बिलासपुर 78791 62919 (38675)

आवश्यकता है-बाहर जाकर सिविल कार्य हेतु दो साइट सुपरवाइजर चाहिए रहने एवं खाने की व्यवस्था कम्पनी द्वारा दी जाएगी अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 88393 83780, 7566444455 (38664)

आवश्यकता है-बजरंग चौक राजकिशोर नगर स्थित होटल में काम करने के लिए मिस्त्री की आवश्यकता है जिसे इंडियन/ चाइनीज फूड बनाना आता हो, सम्पर्क करें- 98727 30420, 9993153424 (38671)

आवश्यकता है-अनुभवी रिसेप्शनिस्ट (हॉस्पिटल मैनेजमेंट), PRO (फील्ड वर्क अनुभवी) आया बाई (नाईट ड्यूटी), सुरक्षागार्ड (दिन के लिए) ड्राइवर चाहिए सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल महामाया चौक रतनपुर रोड लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (38660)

आवश्यकता है-सौर ऊर्जा पेनल की मार्केटिंग हेतु अनुभवी 10 युवक/ युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जीत मोटर गैरेज ट्रांसपोर्ट नगर सिरगिट्टी बिलासपुर 93298 85832 (38666)

आवश्यकता है- (1) सिविल साइट सुपरवाइजर एवं इंजीनियर (autocad and structural knowledge साइट चलाने योग्य) (2) ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेंसी मेहनती, नशामुक्त ड्राइवर। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यतानुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38614)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़की, लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सांई क्रिएटिव 27 खोली चौक मुंगेली रोड बिलालपुर 9827901976, 8718888555 (38672)

आवश्यकता है-टाटा की बड़ी गाड़ियों के मैकेनिक कार्य हेतु कुशल मैकेनिक की आवश्यकता है वेतन 15000 से योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जीत मोटर गैरेज ट्रांसपोर्ट नगर सिरगिट्टी बिलासपुर 93298 85832 (38666)

आवश्यकता है-अम्माजी ट्रेडर्स में कलेक्शन कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य सम्पर्क करें- 9699991449 (38566)

आवश्यकता है-रियल एस्टेट कम्पनी में कार्य का सुनहरा अवसर टेलीकॉलिंग हेतु लड़की, मार्केटिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- अम्बे कंस्ट्रक्शन मोपका चौक AGFG चर्च के पास बिलासपुर 79872 36607, 7898744079 (38661)

आवश्यकता है-दुकान में कार्य हेतु मेहनती लड़कों/ लड़की एवं एलइडी टीवी, डीटीएच, इंडक्शन कुकर, पंखा आदि रिपेयर करने हेतु अनुभवी मिस्त्री की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 76973 68454 (38642

आवश्यकता है-इंग्लिश मीडियम स्कूल हेतु शिक्षिकाएं नर्सरी- 8वीं (बीएड, कम्प्यूटर, स्पोकन इंग्लिश) आया (8वीं), स्विफ्ट, वैन चलाने हेतु ड्राइवर। पता- सिन्धी कालोनी जरहाभाठा बिलासपुर। फोटो सहित बायोडाटा व्हाट्सएप करें- 7489885833, 93006 54801 (38651)

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 30वर्ष की युवतियों, महिलाओं की सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर प्राप्त सम्पर्क करें- श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पीछे गीतांजलि विहार 62683 31784, 7987392821 (267)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-790 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500+56500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे सचिन शर्मा- 7054311719 (1152)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना संपर्क करें 87705 08791 ,7225815090 (416)

आवश्यकता है-ऑफिस, कम्प्यूटर आपरेटर,गार्ड, कटर फिटर, सुपरवाइजर, वेल्डर, चपरासी, इलेक्ट्रीशियन, स्टोर कीपर पावर प्लांट हेतु 5-12वीं पास लड़के लड़कियां चाहिए वेतन 10000 से 30000+ मेडिकल रहना सम्पर्क- सीपत बिलासपुर 7772950319 (38639)

आवश्यकता है-रायपुर एवं बिलासपुर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों हेतु सेल्समैन कम सर्वेयर चाहिए महीना आय 21000 रुपए टीए, डीए सहित नियम शर्तें लागू। सम्पर्क- राधाकृष्णा सेवा संस्थान रायपुर बिलासपुर 8109100493 (38668)

आवश्यकता है-घर, आफिस में साफ सफाई हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है समय सुबह 10 से शाम 4बज तक, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़ रायपुर रोड बिलासपुर 9340600776 (38667)

आवश्यकता है-सर्जिकल ऑफिस में हाउसकीपिंग/ साफ सफाई के लिए लड़की की एवं ड्राइवर की जो ऑफिस का काम और गाड़ी चलाना दोनों काम कर सके सम्पर्क करें-श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर 9893367787 (269)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलुजा मेडिकल एजेंसी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (271)

आवश्यकता है-गांव गांव जा के सरपंच लोगो से एंड्रॉयड मोबाइल में सर्वे करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है एंड्रॉयड मोबाइल एवं स्वयं का वाहन होना आवश्यक है योग्यता 12 वी पास सम्पर्क करें-माहेश्वरी ब्रांड प्रमोशन 9893309211 (6846)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9229187457 (1137)

आवश्यकता है-Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000- 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Call/ Whats App/ SMS करें- 8420549466 (1159)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों की योग्यता 10वी, 12वीं, ग्रेजुएट उम्र 18 से 30 समय 10 से 5:30 वेतन 5000 से 20000 योग्यतानुसार सम्पर्क करें- नियर मैग्नेटो मॉल साईं मंदिर बिलासपुर 88175 71731 (273)

सर्विसेस

सर्विसेस- गारण्टी के साथ मोटापा घटायें या बढ़ायें सम्पर्क करें- राजकुमार सर 09827837045, निशु मेम 09827250697 (38697)

बेचना

बेचना है- रेल्वे क्षेत्र हेमू नगर बिलासपुर 2BHK फ्लैट बेचना है साईं मंदिर के पास पाम हाईट्स के तृतीय फ्लोर पर प्राइवेट पार्किंग, लिफ्ट, फायनेंस भी उपलब्ध 27,00,000 में सम्पर्क- 9300000194, 93000 00195 (38650)

बेचना है-कमर्शियल प्लॉट 30×118 दो साइड रोड बिलासपुर सीपत रोड राज किशोर नगर चौक के आगे बिफोर स्वर्णा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स अर्जेन्ट बेचना है सम्पर्क करें- 7987581185, 7898748446 (38680)

बेचना है-महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2 BHK मकान 22x45 ईस्ट फेसिंग 55 लाख में एवं डबल रोड का आवासीय प्लॉट भी बेचना है लोन सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें-6265041277, 9329940681 (270)

बेचना है-बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई शहरों में घर, फ्लैट, फार्म हाऊस, कमर्शियल प्रॉपर्टी, कृषि जमीन, सभी प्रकार की जमीन खरीदने हेतु सम्पर्क करें- स्वप्निल बिल्ड रियल स्टेट मार्केटिंग 93023 22476, 7415558455 (बिलासपुर में मिलेगी सबसे सस्ती प्रॉपर्टी) (38645)

बेचना है- पूर्ण विकसित T&C एवं 80 परिवारों वाली कालोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो मकान बेचने हैं। 2BHK 45 लाख में एवं 3BHK 80 लाख में। सम्पर्क करें- 9300989627 (38693)

बेचना है- वार्ड नं-16 कुदुदंड पानी टंकी के सामने गली 1डिसमिल जमीन में बना 2मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन, अटैच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ 24घंटे पानी केवल खरीददार सम्पर्क करें- 9753505350, 95222 48786 (38662)

बेचना है- हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

किराया

किराया-पारिजात शिला कालोनी में आरबी हॉस्पिटल के पास रिंग रोड नं-2, बिलासपुर में नवनिर्मित 2BHK एवं 1BHK स्वतंत्र मकान छोटे परिवार को किराए से देना है सम्पर्क करें- 8368756841, 8827122622 (38676)

किराया-गोदाम किराये से देना है बिलासपुर रतनपुर रोड में ग्राम गतौरी स्थित 3 गोदाम सर्व सुविधा युक्त, बाऊन्ड्री वॉल, चौकीदार, मेन गेट है। सम्पर्क करें- 9373695934 96179 69000 (38681)

किराया-मंगला चौक से 800 मीटर पर केवल लड़कियों हेतु रुम किराये पर देना है फ्री WiFi, इन्वर्टर, सीसी टीवी कैमरे की सुविधा। सम्पर्क करें- जेपी विहार मंगला बिलासपुर 8319692215, 7415884350 (38674)

किराया-वृंदावन धाम श्रीकृष्ण नगरी (U.P.) एसी रूम, गीजर, फ्रिज, टीवी अटैच वॉशरूम, लिफ्ट 5 स्टार रूम मात्र 1200/- प्रतिदिन किराया सभी मन्दिर के पास सम्पर्क करें-श्री उमेश गौतम 88811 19584 (38633)

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
• इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
• क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो वह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
• क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखुनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
• क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसे: शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

वैवाहिकी

वधु चाहिए- बंगाली डायवोसी विदुर 40/5'3" इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्टर प्रतिमाह इनकम- 50000/- हेतु वधु चाहिए। जातिबंधन नहीं ,बच्चे वाले संपर्क ना करें (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) मो.- 9826294381, 93890 24361 (671)

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सिर्फ 38 मिनट में जीता सेमीफाइनल, 483 दिनों बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

हांगकांग। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी ने अपना लंबा इंतजार खत्म करते हुए शनिवार को हांगकांग ओपन 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह 483 दिनों के बाद उनका पहला फाइनल है।

एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट जोड़ी ने ताइवान के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई को सीधे गेमों में हराकर केवल 38 मिनट में 21-17, 21-15 से जीत हासिल की। थाईलैंड ओपन 2024 के बाद सात्विक और चिराग का यह पहला फाइनल है और इस साल की शुरुआत में यह जोड़ी पांच सेमीफाइनल से बाहर हो गई थी। उन्हें छठी कोशिश में सफलता मिली।

अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता जोड़ी से

शुरुआती गेम में ताइवानी खिलाड़ियों ने पेश की चुनौती

सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआती गेम में चेन और लिन ने जबरदस्त चुनौती पेश की और अंतर कम करने की कोशिश की। हालांकि सात्विक और चिराग ने लगातार तेज स्मैश और सटीक नेट प्ले से वापसी करते हुए नियंत्रण हासिल किया और गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपनी रफ्तार बदली और शुरुआत में ही बढ़त बना ली। अपनी लय बरकरार रखते हुए 21-15 से आसान जीत हासिल कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सामना चीन की छठी वरीयता प्राप्त लियांग वेई केंग और वांग चांग या ताइवान की सहोदर जोड़ी ली फांग-चिह और ली फांग-जेन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता जोड़ी से होगा।

अब लक्ष्य सेन से उम्मीद

भारत के लक्ष्य सेन की नजर सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने पर है। सेमीफाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे के चोउ तिएन-चेन से होगा। चोउ ने अल्वी फरहान को 22-20, 16-21, 21-14 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत ताइवान के वांग त्जु-वेई पर कड़े मुकाबले में 22-20, 16-21, 21-15 से जीत के साथ की। इसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ़ 16 के एक रोमांचक मुकाबले में हमवतन एचएस प्रणॉय को 15-21, 21-18, 21-10 से हराया। क्वार्टर फाइनल में 24 साल के लक्ष्य ने आयुष शेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

खबर संक्षेप

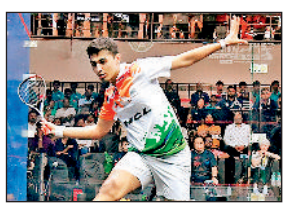

मिस्र ओपनः अभय ने फ्रांस के मार्चे को हराया

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह ने गीजा में 366,000 डॉलर इनामी राशि के पीएसए विश्व टूर डायमंड स्पर्धा मिस्र ओपन के शुरुआती दौर में फ्रांस के दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी ग्रेगोइरे मार्चे पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। यह अभय के करियर की सबसे बड़ी जीत है। दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी और कई बार के राष्ट्रीय चैंपियन अभय ने 36 मिनट में 12-10, 11-9, 11-3 से जीत हासिल की। यह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की रैंकिंग के हिसाब से उनका अब तक का सबसे अच्छा परिणाम है। अभय के सामने अब अंतिम 32 दौर में मिस्र के 10वीं वरीयता प्राप्त यूसुफ इब्राहिम की चुनौती होगी। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन वेलवन सेंथिलकुमार को हालांकि निराशा हाथ लगी।

ओडिश में 11 अक्टूबर से टेबल टेनिस चैंपियनशिप

नई दिल्ली। यूएई के हटने के बाद 22 देशों ने भुवनेश्वर में होने वाली 28वीं आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप में भाग लेने की पुष्टि की है। आयोजकों ने 500 से ज्यादा प्रतिभागियों के इसमें भाग लेने की उम्मीद जताई। ओडिशा पहली पर एशियाई स्तर की टेबल टेनिस चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 15 अक्टूबर तक कलिंगा स्टेडियम में होगा। ओडिशा राज्य टेबल टेनिस संघ 500 से अधिक प्रतिभागियों का स्वागत करेगा, जिनमें 450 खिलाड़ी और सहयोगी कर्मचारी के साथ 70 से 80 की संख्या में एशियाई टेबल टेनिस संघ के अधिकारी शामिल होंगे। यह चैंपियनशिप 16 वर्षों के बाद भारत में आयोजित हो रही है, जिसमें एशिया के शीर्ष खिलाड़ी अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे। चीन, जापान और कोरिया की मजबूत टीमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 सदस्यीय टीमें उतारेंगी, जिनके साथ बड़ी संख्या में सहयोगी टीमें भी होंगी। इस आयोजन को लंदन में 2026 में होने वाली विश्व टीम चैंपियनशिप की महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में देखा जा रहा है।

हिताशी-रिद्धिमा ने हासिल किया कट

जुग (स्विट्जरलैंड)। भारत की दो गोल्फरों रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी ने वीपी बैंक स्विस लेडीज ओपन में कट हासिल किया। दोनों भारतीय गोल्फर 71 और 69 के कार्ड खेलकर दो अंडर 140 के कुल स्कोर से संयुक्त 23वें स्थान पर बनी हुई हैं। अन्य भारतीयों में वाणी कपूर (74-70), स्नेहा सिंह (70-75), पिछले साल की उप विजेता त्वेसा मलिक (72-74) और प्रणवी उर्स (74-76) कट हासिल करने से चूक गईं।

एशिया कप: आज रात 8 बजे से भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला

पाकिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, जमीनी स्तर पर उत्साह की कमी

दुबई। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में प्रबल दावेदार होगी और दिलचस्प बात है कि पिछले कुछ महीनों में सीमा पर बढ़े तनाव के बावजूद इस मुकाबले को लेकर किसी तरह की 'हाइप' नहीं है।

चार महीने बाद भारत में टी20 विश्व कप को देखते हुए मुकाबला महत्वपूर्ण है। लेकिन कई साल में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच में उस तरह के उत्साह का अभाव है, जो दोनों देशों के बीच मैच में अक्सर होता है जबकि यह रविवार को खेला जा रहा है।

भारतीय टीम मजबूत

भारत के अंतिम एकादश में शुभमन गिल, सूर्यकुमार, अभिषेक शर्मा जैसे बल्लेबाज, जसप्रीत बुमराह जैसा तेज गेंदबाज, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर मौजूद हैं। कागज पर भारतीय टीम पाकिस्तान की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक दिखती है, जो नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि इस प्रारुप की बदलने वाली प्रकृति को देखते हुए उलटफेर की संभावना हमेशा बनी रहती है लेकिन इस मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ इसकी संभावना कम ही है।

मैच को लेकर उत्साह गायब

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट भरी है। इसके बाद हुए सैन्य अभियान और जनता के गुस्से ने महाद्वीपीय क्रिकेट के इस सबसे 'हाई-प्रोफाइल' मैच की तैयारी को बहुत फीका बना दिया। मैच के हजारों टिकट अब भी उपलब्ध हैं और शुक्रवार को भारत के अभ्यास सत्र में बहुत कम दर्शक पहुंचे। मैच को लेकर पहले की तरह उत्साह भी गायब है।

पाकिस्तानी टीम में स्पिनरों की तिकड़ी

पाकिस्तानी टीम के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब, मध्यक्रम के बल्लेबाज हसन नवाज तथा अबरार अहमद, सूफियान मुकीन और मोहम्मद नवाज की स्पिनरों की तिकड़ी नए लुक वाली टीम में यह बात साबित करना चाहेंगे कि उन्होंने बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान पर पूरी तरह निर्भर रहने की नीति को त्याग दिया है।

संभावित टीम

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।

पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, साइम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

स्पिनरों की होगी अहम भूमिका

आमतौर पर भारत-पाक मैच में भारतीय बल्लेबाजों और पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों के बीच मुकाबला होता है लेकिन इस बार दोनों टीमों के स्पिनरों की अहम भूमिका होगी जबकि जसप्रीत बुमराह और शाहीन शाह अफरीदी ही एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज हैं, जो रविवार को मैदान में उतरेंगे।

पिच में हालांकि ज्यादा टर्न नहीं है लेकिन दोनों टीमों में एक-एक दाएं हाथ के कलाई के स्पिनर और एक-एक बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की मौजूदगी एक दिलचस्प कहानी बनाती है। सूफियान मुकीम एक अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन कुलदीप यादव जैसे चतुर गेंदबाज के आस-पास भी नहीं हैं, जिनकी गुगली खेलना आसान नहीं है।

चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी

वरुण चक्रवर्ती की रहस्यमयी गेंदबाजी पाकिस्तान के बल्लेबाजों के लिए खतरनाक हो सकती है। वह साइम अयूब और साहिबजादा फरहान जैसे युवाओं के लिए मुश्किल साबित हो सकते हैं, जो स्पिनरों को समझ नहीं पा रहे हैं। बाए हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाल आईसीसी रैंकिंग में 30वें स्थान पर हैं लेकिन अक्षर पटेल के मुकाबले कहीं नहीं टिकते। अक्षर भारतीय टीम में सबसे अहम हैं लेकिन 'लो प्रोफाइल' खिलाड़ी हैं।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶ अबू धाबी

श्रीलंका ने एशिया कप 2025 में अपना पहला मैच जीत लिया है। टीम ने शनिवार को अबू धाबी में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया। शेख जायेद स्टेडियम में श्रीलंका ने बॉलिंग चुनी। बांग्लादेश ने 5 विकेट खोकर 139 रन बनाए। श्रीलंका ने 14.4 ओवर में 4 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

बांग्लादेश ने 53 रन पर ही 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शमीम हुसैन और जाकिर अली ने 86 रन की पार्टनरशिप की और टीम को 139 रन तक पहुंचाया। शमीम ने 42 और जाकिर ने 41 रन बनाए। श्रीलंका से वनिंदू हसरंगा ने 2 विकेट लिए। नुवान थुषारा और दुष्मंथा चमीरा को 1-1 विकेट मिला।

श्रीलंका से पथुम निसांका ने 50 और कमिल मिशारा ने 46 रन बनाए। दोनों ने 95 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। कुसल परेरा ने 9, दसुन शनाका ने 1 और कुसल मेंडिस ने 3 रन बनाए। बांग्लादेश से महेदी हसन ने 2 विकेट लिए। मुस्तफिजुर रहमान और तंजिम हसन साकिब को 1-1 विकेट मिला।

सॉल्ट ने 39 गेंद में मारी सेंचुरी, दक्षिण अफ्रीका को 146 रनों से हराया

मैनचेस्टर। फिल सॉल्ट के इंग्लैंड के लिए सबसे तेज टी20 शतक और इस प्रारुप की सबसे बड़ी पारी के बूते इस टीम ने दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड 146 रन की बड़ी जीत दर्ज की। सॉल्ट के नाबाद 141 रन और जोस बटलर की 83 रन की ताबड़तोड़ पारी से इंग्लैंड ने दो विकेट पर 304 रन बनाए। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारुप का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इंग्लैंड की पारी में 18 छक्के और 30 चौके लगे। सॉल्ट ने 39 गेंद में शतक पूरा कर इंग्लैंड के लिए सबसे कम गेंद में सैकड़ा पूरा करने रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह सॉल्ट का इंग्लैंड के लिए चौथा शतक था। इंग्लैंड के किसी अन्य खिलाड़ी के नाम एक से अधिक शतक नहीं है। ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा (प्रत्येक के पांच) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सॉल्ट से अधिक शतक जड़े है। सॉल्ट ने 119 रन का आंकड़ा पार करते ही अपना और इंग्लैंड के लिए सर्वोच्च टी20 व्यक्तिगत स्कोर कायम कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन विकेट पर 64 रन बना लिए थे।

भारत ने लगातार दूसरी बार जापान के साथ खेला ड्रॉ

भारत ने बढ़त गंवाते हुए जापान के साथ सुपर 4 का अपना आखिरी मुकाबला ड्रॉ खेला। इससे महिला एशिया कप हॉकी 2025 में उसे फाइनल में जाने के लिए अब चीन के भरोसे रहना होगा। 13 सितंबर को खेले गए मुकाबले में भारत ने सातवें मिनट में गोल कर बढ़त ले ली थी लेकिन जापान ने फुल टाइम से ठीक पहले बराबरी कर ली। ऐसे में मैच 1-1 से बराबर रहा। भारत ने इस इवेंट में जापान के साथ अपने दोनों मुकाबले ड्रॉ कराए। इससे पहले पूल मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेला था। जापान अभी डिफेंडिंग चैंपियन है।

भारत को अब महिला एशिया कप हॉकी के फाइनल में जाने के लिए चीन-कोरिया के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा। इसमें अगर चीन को जीत मिलती है या फिर ड्रॉ रहता है तो भारत खिताबी मुकाबले में पहुंच जाएगा। यहां उसकी टक्कर चीन के साथ होगी। इन दोनों के बीच सुपर 4 में मुकाबला हुआ था, जिसमें मेजबान चीन ने 4-1 से जीत हासिल की थी।

ब्यूटी ने सातवें मिनट में किया फील्ड गोल

जापान के खिलाफ मुकाबले में भारत की ओर से ब्यूटी डुंग डुंग ने सातवें मिनट में फील्ड गोल किया। जापान की तरफ से कोबायाकावा शिहो ने 58वें मिनट में गोल किया। भारतीय टीम को अभी तक इस इवेंट में केवल एक ही हार मिली है, जो चीन के सामने आई थी। चीन एशियाई टीमों में सबसे मजबूत है।

मेकोनेन और एयायु लेंगे दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा

नई दिल्ली। इथियोपिया की गत चैंपियन एलेमाडिस एयायु और उनके हमवतन जेमल मेकोनेन 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाली 20वीं दिल्ली हाफ मैराथन का मुख्य आकर्षण होंगे। दिल्ली हाफ मैराथन एक विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस है। कंपाला में 2017 विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में इथियोपिया की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे मेकोनेन भारत में पहली रेस में हिस्सा लेंगे। इस 29 वर्षीय धावक ने 58:33 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कई बार 60 मिनट से कम समय में रेस पूरी की है और 2024 सियोल मैराथन भी जीती है। उन्होंने कहा, 'यह भारत की मेरी पहली यात्रा है। मैंने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के बारे में बहुत कुछ सुना है, जिसे मेरे साथी धावक अक्सर शानदार बताते हैं।' कीनिया के पेरिस मैराथन चैंपियन बेनार्ड बिवॉट, ओलंपिक 5000 मीटर रजत पदक विजेता रोनाल्ड क्वेमोई और इसाक किपकेंबोई भी पुरुष वर्ग में शामिल हैं।

महिला एशिया कप हॉकी : फाइनल में टीम इंडिया, चीन से सामना आज

एजेंसी ▶▶ हांगझोउ

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को महिला एशिया कप के अपने आखिरी सुपर चार मैच में जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद फाइनल में जगह बना ली, जिसमें उसका सामना मेजबान चीन से होगा। चीन ने अपने अंतिम सुपर चार मैच में कोरिया को 1-0 से हराया, जिससे भारतीय टीम रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंच गई। फाइनल जीतने वाली टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लेगी। भारत ने शुरुआती बढ़त गंवाकर गत चैंपियन जापान से ड्रॉ खेला जिससे उसे कोरिया और चीन के बीच मैच के नतीजे का इंतजार करना पड़ा। चीन ने पहले ही फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया था। कोरिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए दो गोल के अंतर से जीत की दरकार थी लेकिन चीन की जीत ने 2022 चरण में तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का फाइनल में स्थान सुनिश्चित किया। चीन तीन जीत के बाद नौ अंक के साथ सुपर चार तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि भारत एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार से चार अंक से दूसरे स्थान पर रहा।

रिंग में दिखाया पंच का दम, फाइनल में पहुंची जैस्मिन और नूपुर

भारतीय मुक्केबाज जैस्मिन लाम्बोरिया और नूपुर श्योरण वर्ल्ड चैंपियन बनने से अब महज एक कदम दूर हैं। दोनों ने सेमीफाइनल में धमाकेदार जीत हासिल करके फाइनल में जगह बना ली है। लीवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती जैस्मिन ने 57 किग्रा वेट कैटेगरी और नूपुर ने 80 किग्रा से अधिक वेट कैटेगरी में जीत हासिल की। जैस्मिन ने वेनेजुएला की ओमेलिन कैरोलिना अल्काला को 5-0 से हराया। वहीं नूपुर ने तुर्की की दुज़्तास सेयमा को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दोनों ने रिंग में अपने पंच का दम दिखाया।

इन दोनों के अलावा मीनाक्षी ने भी सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत का चौथा मेडल पक्का कर दिया है। उन्होंने 48 किग्रा वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पंफ्री को सर्वसम्मत फैसले में हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला मंगोलिया की लुत्सैखानी अल्तांत्सेत्सेग से होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम सं. (1) : ई-निविदा संख्याः डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-123-25-26, दिनांक. 08/09/2025

कार्य : बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता रायगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत रॉबर्टसन-भूपदेवपुर सेक्शन के बीच ब्रिज नंबर 86 डाउन में एवं उसके आसपास स्कोरिंग/स्कोरिंग बेड की सुरक्षा के लिए जैकेटिंग एवं बोल्डर अप्रोन का प्रावधान।

निविदा मूल्य (रु): 7,47,60,957/- **अमानत राशि (रु):** 5,23,800/- **कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह **निविदा जमा करने की आरंभ तिथी:-** दिनांक. 22-09-2025 से । **निविदा जमा करने की अंतिम तिथी:-** दिनांक. 06-10-2025 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/309 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कार्यालय, नगर पंचायत शिवनंदनपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमांक/497/न.पं./ लो.नि./2025-26 शिवनंदनपुर, दिनांक 12/09/2025
// मैनुअल पद्धति तृतीय निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पंचायत शिवनंदनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 22.09.2025 सायं 05:30 बजे तक
2. निविदा खोलने की तिथि 23.09.2025 दोपहर 2:30 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल	समयवधि
1	जोनल कार्य (भवन एस. ओ.आर. 01.01.2015	20.00	7500.00	750.00	31.03.2026 तक

टीप :- 1. नियम शर्तें कार्यालय के लोक निर्माण शाखा में देखी जा सकती है।
2. विज्ञापन की प्रति www.uad.cg.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत शिवनंदनपुर
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
तृतीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र.08/न.पा.नि./प्र.वि./2025-26 दिनांक 12/09/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत ''बी'' व प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा डाउनलोड/ सबमिट करने की अंतिम तिथि
175647	STREET LIGHT INSTALLATION AT VARIOUS LOCATION IN NAGAR NIGAM BILASPUR.	548.27	25/09/2025

उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
Green City, Clean City, Dream City.

कार्यालय नगर पंचायत बरेला, जिला मुंगेली (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 188/स्व.भा.मि. 2.0/2025-26 बरेला, दिनांक 12/09/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत स्क्राम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	Bid Due Date
175114	Design, Construction, Testing, Commissioning and setting up of Material Recovery Facility (MRF) & Compost Plant in Municipal Areas of Barela, Chhattisgarh (1st call)	53.72	07/10/2025

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति. निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बरेला

निंगबो। ओलंपियन और मौजूदा मिश्रित टीम पिस्टल विश्व चैंपियन ईशा सिंह ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के पदकों के सूखे को खत्म किया।

433 साल तक चलेगी नासा की ये नई बैटरी

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष में गहरी खोज के लिए नासा ने एक नई परमाणु तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर का इस्तेमाल होता है जिसे आमतौर पर परमाणु बैटरी कहा जाता है। ये बैटरीज रेडियोधर्मी पदार्थों के गर्म होने से बनी गर्मी को बिजली में बदलती है। पहले नासा इन बैटरियों के लिए प्लूटोनियम-238 का इस्तेमाल करता था जिससे वॉयेजर जैसे मिशन को सफलता मिली। लेकिन, अब नासा की ये नई खोज अंतरिक्ष की यात्रा को और दूर ले जाने में मदद कर सकती है। नासा की ग्लेन रिसर्च सेंटर और ब्रिटेन की लीसेस्टर यूनिवर्सिटी मिलकर एक प्रयोग कर रहे हैं। वो जांच कर रहे हैं कि अमेरिकियम-241 का इस्तेमाल परमाणु ईंधन के तौर पर किया जा सकता है या नहीं। वे इस पदार्थ को स्टर्लिंग इंजन जैसी आधुनिक तकनीकों के साथ मिलकर देख रहे हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com